मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 37
अंक : 114
भोपाल, शनिवार
13 जून 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

03 90 प्रतिशत टैक्स माफी खत्म होते ही अधिकृत स्क्रैपिंग...

पीवी सिंधु सेमीफाइनल में तान्वी का सफर समाप्त 06

वायुसेना का ट्रांसपोर्ट प्लेन क्रैश, लगी आग, दो हिस्सों में बंटा

जोरहाट ■ एजेंसी

असम के जोरहाट एयर फोर्स स्टेशन पर भारतीय वायु सेना का (IAF) का एयरक्राफ्ट क्रैश हुआ है। क्रैश होते ही विमान में आग लग गई। विमान दो हिस्सों में टूट गया और दूर से ही इसका धुआं दिख रहा है। राहत और बचाव दल की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक AN-32 एयरक्राफ्ट एयर फोर्स जोरहाट स्टेशन के अंदर ही गिरा है। गिरते ही उसमें तेज आग लग गई थी। इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमें मौके पर काम में जुटी है।

***एएन-32 मालवाहक विमान था:** जोरहाट में जो एयरफोर्स का जो विमान क्रैश हुआ है। वह AN-32 मालवाहक विमान है। इस तरह के 100 विमान भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। इसे सेना में बेहतर ट्रांसपोर्ट के हिसाब से डिजाइन किया गया है। यह भारतीय वायुसेना के ट्रांसपोर्ट क्षमताओं को लगातार बढ़ा रहा है। जो गर्म मौसम और ऊंचे इलाकों में ऑपरेशन के दौरान सेना को मजबूती देता है। जिसके चलते इस विमान को अहम माना जाता है। यह एक बार में 6 से 7 टन क्षमता का सामान और एक बार में 40 से 50 जवानों को ले जा सकता है। An-32 विमान मुश्किल हालातों में भी बेहतरीन काम करने के हिसाब से डिजाइन किया गया है।*

5 मार्च को भी असम के कार्बी आंगलोंग जिले में विमान क्रैश की घटना हुई थी। उस दौरान सुखोई Su-30MKI फाइटर जेट क्रैश हो गया था। जिसमें भारतीय वायुसेना के दो पायलटों की मौत हो गई थी।

लैंडिंग के दौरान विमान में लगी आग

भारतीय वायु सेना के विमान में लैंडिंग के दौरान आग लगी है। क्रैश होने की वजह अभी पता नहीं चल पाई है। भारतीय वायु सेना की तरफ से अब तक क्रैश से जुड़ी परिस्थितियों के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। फिलहाल आगे की जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। हालांकि घटना के तुरंत बाद जोरहाट एयर फोर्स के लिए फायर टेंडर गाड़ियों और एक टीम को तुरंत मौके पर रवाना किया गया है। जहां टीम ने मोर्चा संभाल लिया है। आग पर काबू पाया जाना शुरू कर दिया गया है। फिलहाल आपातकालीन स्थिति में जोरहाट एयर फोर्स स्टेशन की टीमों को सक्रिए कर दिया गया है। घटना के बाद द्बस्र मामले की जानकारी जुटा रहा है। जोरहाट एयरबेस पर भारतीय वायुसेना के कुछ सीनियर अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। मौके से आई तस्वीरों में विमान दो हिस्सों में टूटा दिख रहा है।

संक्षिप्त समाचार

तत्काल टिकट के लिए नई टोकन व्यवस्था लागू, एसी और नॉन-एसी यात्रियों को मिलेंगे अलग टोकन

भोपाल। तत्काल टिकट बनवाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने टोकन वितरण व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। नई व्यवस्था 13 जून से मंडल के सभी आरक्षण कार्यालयों में लागू कर दी गई है। नई व्यवस्था के तहत अब एसी और नॉन-एसी श्रेणी के यात्रियों को अलग-अलग टोकन जारी किए जाएंगे। रेलवे का मानना है कि इससे तत्काल आरक्षण काउंटरों पर भीड़ को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी और यात्रियों को टोकन प्राप्त करने में आसानी होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, एसी और नॉन-एसी दोनों श्रेणियों के टोकनों का वितरण प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शुरू होगा। यात्रियों को उनकी यात्रा श्रेणी के अनुसार अलग-अलग टोकन दिए जाएंगे, जिससे आरक्षण प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बन सकेगी।

विदिशा के लटेरी सरकारी अस्पताल में पहली ही बारिश में घुटनों तक भरा पानी

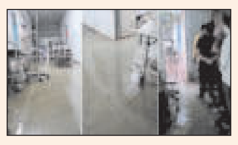

विदिशा। आप क्या कभी सरकारी अस्पताल को स्विमिंग पूल बनते देखना चाहते हैं? अगर हां तो आ जाइए विदिशा के लटेरी। यहां का सरकार अस्पताल इन दिनों किसी स्विमंग पूल से कम नजर नहीं आ रहा है। मानसून की पहली ही बारिश ने स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के दावों की पोल खोलकर रख दी है। दरअसल लटेरी के सरकारी अस्पताल का एक वीडियो सामने आया है जहां पहली ही तेज बारिश के बाद अस्पताल परिसर पूरी तरह जलमग्न दिखाई दे रहा है। स्थिति यह है कि अस्पताल के अंदर और बाहर घुटनों तक पानी भर गया है। ऐसे में दूर-दराज से इलाज कराने आए मरीजों और उनके परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वीडियो देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बदहाली के बीच डॉक्टर मरीजों का इलाज कैसे कर पा रहे होंगे।

ट्रेलर से टकराई कार, 4 श्रद्धालुओं की मौत, एक की हालत गंभीर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में आज सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। वाराणसी-आजमगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार कार सामने चल रहे ट्रेलर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भयावह थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा देवगांव कोतवाली क्षेत्र के बरडीहा मोड़ के पास हुआ। बताया जा रहा है कि कार में सवार सभी लोग किछौछा शरीफ से जियारत कर अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में अचानक कार अनियंत्रित होकर ट्रेलर के पीछे जा घुसी। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिली। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक हादसा इतना भयानक था कि कई लोग वाहन के अंदर ही फंस गए।

अंतर्मना उवाच

एक बार खाये तो योगी, दो बार खाये तो भोगी, तीन बार खाये तो रोगी और जो बार-बार खाये, उसकी जल्दी मृत्यु होगी..!

*मैं भारत में बढ़ती हुई **बीमारियों की लहर** को देखकर चिंतित हूँ। यह लहर अब नये-नये रोग लेकर आ रही है। **आज का भारत अनेक प्रकार की बीमारियों और रोगों की राजधानी बनता जा रहा है।***

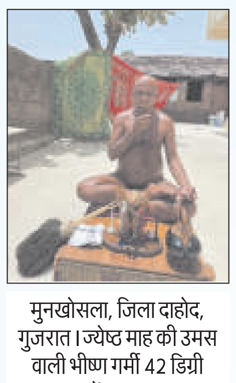

मुनखोसला, जिला दाहोद, गुजरात। ज्येष्ठ माह की उमस वाली भीषण गर्मी 42 डिग्री तापमान में उत्कृष्ट तप 60 मिनिट की सामायिक जप तप करते अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज

भारत दुनिया में मधुमेह (डायबिटीज) की सबसे बड़ी समस्याओं वाले देशों में शामिल है।

- *एक अनुमान के अनुसार लगभग **11.4 फीसदी** भारतीय मधुमेह से पीड़ित हैं, जो वैश्विक औसत से अधिक है।*
- *इसके अलावा **मोटापा** भी एक भयावह समस्या बन चुका है। महिलाओं में यह समस्या **वर्ष 2005-06 में 12.6 फीसदी** से बढ़कर **2019-20 में 24 फीसदी** तक पहुँच गई, जबकि पुरुषों में यह **9.3 फीसदी** से बढ़कर **22.9 फीसदी** हो गई। भारत में **2.7 करोड़** से अधिक बच्चे और युवा मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं। दरअसल, **इन सबके पीछे पैकेट बंद खाना और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड बहुत हद तक जिम्मेदार हैं।** पैकेट बंद खाना तुरंत भूख तो मिटा देता है, लेकिन उसके दुष्परिणाम हमारे शरीर की ऐसी तैसी कर देते हैं।*

***मोटापा कम करने की दवाइयाँ भी भारत में धड़ल्ले से बिक रही हैं।** ओजेम्पिक और मौंजारो जैसे इंजेक्शन इसके उदाहरण हैं।*

*आज इंसान शरीर की परेशानियों से जूझ रहा है और दवाइयों के बोझ तले दबता जा रहा है। स्वस्थ भोजन प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार होना चाहिए। **खाद्य पदार्थों की शुद्धता और सुरक्षा केवल उपभोक्ताओं की रक्षा ही नहीं करती, बल्कि देशहित तथा सामाजिक और आर्थिक हितों के लिए भी अत्यंत लाभदायक सिद्ध होती है...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

► डीआरडीओ का महा-धमाका! ◄

24 घंटे में 3 सफल मिसाइल टेस्ट
अभेद्य हुआ भारत का सुरक्षा कवच

डिफेंस और एंटी-शिप मिसाइलों का सफल परीक्षण कर इतिहास रच दिया है। अब 5,000 किमी तक की रेंज वाली दुश्मन की मिसाइलें हवा में ही नष्ट हो जाएंगी।

नई दिल्ली ■ एजेंसी

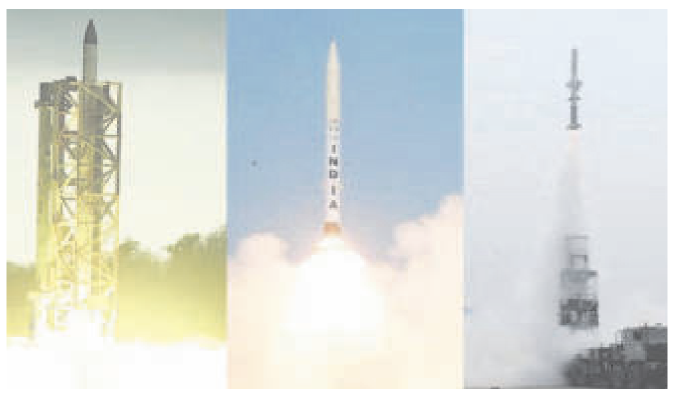

भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने रक्षा क्षेत्र में एक बहुत बड़ा मील का पत्थर हासिल किया है। भारत अब दुनिया के उन चुनिंदा देशों के 'एलीट क्लब' में शामिल हो गया है. जिनके पास लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से बचाव करने की अचूक क्षमता है। भारत ने 10 और 11 जून को लगातार तीन मिसाइलों के सफल उड़ान परीक्षण किए, जिनमें बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (BMD) के साथ-साथ एंटी-शिप मिसाइल टेक्नोलॉजी भी शामिल है।

डीआरडीओ के अनुसार, इन परीक्षणों ले लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल खतरों से निपटने के लिए भारत के बहुस्तरीय यानी मल्टी-लेयडे डिफेस आकिटेक्चर की ताकल को साबित किया है। परीक्षण के दौरान मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने अपने तय किए गए लक्ष्यों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट किया और उन्हें हया में ही नष्ट कर दिया। यह सफलता भविष्य के उम्लत मिसाइल खतरों से लिपटने के लिए देश की रक्षा प्रणाली को अमेच बलाती है

पाकिस्तान की नई मिसाइलों का मुंहतोड़ जवाब: सूत्रों ने बताया कि डीआरडीओ ने बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस को इतनी उच्च प्राथमिकता इसलिए दी है, क्योंकि पड़ोसी देश पाकिस्तान मल्टीपल वॉरहेड वाली लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें विकसित कर रहा है। इसमें फतेह ।(Fateh-I), फलेह-II (Fateh-II) और चीन मूल की P 282 मिसाइलें शामिल हैं। भारत की यह नई तैयारी पाकिस्तान के इन्हीं मंसूबों का करारा जवाब है।

रक्षा मंत्री ने दी बधाई

ये सभी परीक्षण डीआरडीओ और भारतीय सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किए गए। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने इन मिशनों की बारीकी से निगरानी की। उन्होंने 24 घंटे के भीतर इतने जटिल परीक्षणों को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए डीआरडीओ के वैज्ञानिकों, उद्योग भागीदारों और सशस्त्र बलों के शानदार तालमेल की तारीफ की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस ऐतिहासिक कामयाबी पर डीआरडीओ को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि हवाई और समुद्री खतरों का मुकाबला करने में देश की रक्षा तैयारियों को बेहद मजबूत करेगी।

2000 से 5000 किमी की रेंज
अचूक सुरक्षा चक्र

शीर्ष सरकारी सूत्रों के मुताबिक, डीआरडीओ ने दो ऐसे इंटरसेप्टर मिसाइलों का परीक्षण किया है. जो 2,000 किमी से 5,000 किमी के बीच मार करने वाली दुश्मन की इंटरमीडिएट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों (IRBMS) को निष्क्रिय करने में पूरी तरह सक्षम हैं। ये इंटरसेप्टर एक्सो-एटमॉस्फेरिक' (वायुमंडल के बाहर) और 'एंडो-एटमॉस्फेरिक (वायुमंडल के भीतर) दोनों ही तरह के हैं। केंद्र सरकार ने फिलहाल इन इंटरसेप्टर्स के नाम उजागर नहीं किए हैं। परीक्षण पूरे होने के बाद अब इन्हें जल्द ही सेना द्वारा 'यूजर ट्रायल्स' के लिए भेजा जाएगा।

नौसेना की ताकत में भारी इजाफा

इन सफलताओं के साथ ही डीआरडीओ ने नेवल एंटी-शिप मिसाइल मीडियम रेंज (NASM-MR) का पहला उड़ान परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस टेस्ट ने मध्यम दूरी पर इस मिसाइल की अचूक मारक क्षमता को साबित कर दिया है. जिससे भारतीय सशस्त्र बलों के समुद्री हमले के विकल्प और ज्यादा मजबूत हो गए हैं।

अभिषेक बनर्जी के घर पर पुलिस ने रात में मारी रेड

कोलकाता ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में शनिवार को उस समय हलचल तेज हो गई जब तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर कोलकाता पुलिस ने देर रात छापेमारी की। पुलिस टीम शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे केंद्रीय बलों के जवानों के साथ उनके घर पहुंची और लगभग चार घंटे तक तलाशी अभियान चलाया।

► चार घंटे चली तलाशी, ताला तोड़कर घुसने का आरोप

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुलिस अधिकारी घर के भीतर जांच में जुटे रहे, जबकि केंद्रीय बलों के जवान पूरे समय बाहर सुरक्षा व्यवस्था संभाले खड़े रहे। इस कार्रवाई में कोलकाता पुलिस के अलावा पश्चिम मेदिनीपुर जिले की पुलिस भी शामिल थी। हालांकि पुलिस ने आधिकारिक रूप से यह स्पष्ट नहीं किया है कि छापेमारी किस मामले में की गई और इसमें अभिषेक बनर्जी की क्या भूमिका है।

सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सालबोनी थाने में दर्ज एक मामले से जुड़ी हो सकती है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि पुलिस अभिषेक बनर्जी के करीबी सहयोगी और उनके निजी सहायक सुमित रॉय की तलाश में पहुंची थी। जैसे ही छापेमारी की सूचना मिली, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कालीघाट स्थित आवास पर पहुंच गईं।

राम मंदिर चढ़ावे को लेकर बढ़ा विवाद

हाईकोर्ट पहुंची पिल, सीबीआई जांच और सीएजी ऑडिट की मांग

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर उठे गबन के आरोप अब अदालत की चौखट तक पहुंच गए हैं। इस मामले में लखनऊ हाईकोर्ट की बेंच में एक जनहित याचिका (PIL) दाखिल की गई है, जिसमें चढ़ावे में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच और मंदिर को मिले दान का सीएजी से ऑडिट कराने की मांग की गई है।

याचिका में क्या है: याचिका में कहा गया है कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे में दान और चढ़ावे में गड़बड़ी की खबरों ने भक्तों की भावनाओं को आहत किया है। इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। स्थानीय एडवोकेट मोहित अशोक द्वारा दाखिल इस याचिका में केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार, सीबीआई, सीएजी और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया है कि सीबीआई को कथित गबन की जांच कर मामला दर्ज करने के निर्देश दिए जाएं, जबकि सीएजी मंदिर के दान पात्रों में प्राप्त नकदी, सोना, चांदी और अन्य बहुमूल्य वस्तुओं का स्वतंत्र ऑडिट करे।

मोदी सरकार के ऐतिहासिक कल्याणकारी 12 वर्ष: सीएम

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वास के विकास के जनकल्याण के12वर्ष पूर्ण होने पर कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में मीडिया संवाद का आयोजन किया जिसमें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि पीएम मोदी के 12वर्ष पूर्ण होने पर 12का आंकड़ा उत्साह वर्धन हे ,12वर्ष,12राशि,,12 महीने होते हे,आजादी के बाद पहली बार आपने देखा होगा कि पीएम मोदी ने जी आई एस शामिल हो कर हमें आशीर्वाद दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खंडेलवाल ने कहा कि 12 वर्ष पीएम मोदी सफलता से पूर्ण हुए आज इस को लेकर हम संवाद करेंगे कुछ आप कहे कुछ हमारी सुने जनकल्याण आप ह्म सब मिलकर देश को विकास की और आगे ले जाने में सहयोगी बने। इस अवसर पर 12 साल विश्वास के जनकल्याण पर आधारित फिल्म दिखाई गई, जिसमें तीन करोड़ लखपति दीदी,नल जल योजना,पीएम आवास योजना,सड़क ,बिजली , पानी आदि पर विकसित भारत के सपने हो रहे साकार होते हुए दिखाई दे रहे है।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का मुख्यमंत्री निवास में पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

राजधानी में पाकिस्तानी स्लीपर सेल की गिरफ्तारी, गंभीर सवाल

भोपाल ■ जगत शर्मा

प्रदेश की राजधानी लंबे समय से देश विरोधी गतिविधियों को संचालित करने वाले संगठनों और आतंकवादियों के निशाने पर रही है।आज भी प्रदेश में सिमी जैसे देश विरोधी संगठनों का नेटवर्क समय समय पर उभरकर सामने आता रहा है,जिसके कारण समय समय पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी और देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त लोग मिलते रहते हैं। ताजा मामले में मध्य प्रदेश एंटी-टेरिज्म स्क्वाड ने राजधानी भोपाल और यूपी के सहारनपुर से पाकिस्तानी हैंडलर्स से जुड़े दो संदिग्ध स्लीपर सेल सदस्यों को गिरफ्तार किया है।मुख्य आरोपी की पहचान मोहम्मद फराज के रूप में हुई है, जिसे भोपाल के पुराना शहर स्थित काजी कैंप इलाके से पकड़ा गया। इसके अलावा, उससे जुड़े एक अन्य आरोपी नईम अब्दुल्ला को भोपाल ड्डस्ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार किया है।

मामले से जुड़ी अब तक की मुख्य जानकारियां

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए संदिग्ध कथित तौर पर विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से बाहरी तत्वों के संपर्क में थे। उनके पास से कुछ डिजिटल दस्तावेज और फाइलें बरामद की गई हैं, जिनकी गहनता से जांच की जा रही है।

सुरक्षा खतरों की आशंका : सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि क्या इन व्यक्तियों का उपयोग सार्वजनिक शांति को भंग करने या किसी प्रकार की अनैतिक गतिविधियों के लिए किया जाना था। सुरक्षा एजेंसियां आरोपियों की स्थानीय गतिविधियों पर भी नजर रख रही हैं।

आतंकी नेटवर्क की तलाश : पूछताछ के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि क्या इन्हें किसी विशेष प्रशिक्षण के लिए बाहर भेजने की योजना थी या वे स्थानीय स्तर पर किसी और के मार्गदर्शन में काम कर रहे थे।

आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई : भोपाल एटीएस ने आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत रिमांड पर लिया गया है ताकि आगे की पूछताछ पूरी की जा सके।सुरक्षा एजेंसियां वर्तमान में इनके डिजिटल फुटप्रिंट, वित्तीय लेनदेन और संभावित संपर्कों की विस्तृत जांच कर रही हैं ताकि सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

उड़ता तीर

नपा अध्यक्ष बसंतीबाई ने किया राजराजेश्वर उद्यान एवं तालाब विकास कार्यों का निरीक्षण

मानसून से पहले कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश, अमृत 2.0 योजना से बदल रही क्षेत्र की तस्वीर

सेंधवा ■ निसं

नगर पालिका परिषद सेंधवा द्वारा अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत किले के अंदर स्थित ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के राजराजेश्वर तालाब एवं उद्यान के सौंदर्यीकरण कार्यों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में नगर पालिका अध्यक्ष बसंतीबाई यादव ने राजराजेश्वर मंदिर परिसर पहुंचकर निर्माणाधीन उद्यान एवं तालाब विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि सुनील अग्रवाल से चल रहे कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान सुनील अग्रवाल ने तालाब के जीर्णोद्धार, घाट निर्माण, सुरक्षा दीवार, उद्यान विकास एवं सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि परियोजना के अंतर्गत क्षेत्र को आकर्षक एवं जनसुविधाओं से युक्त स्वरूप प्रदान किया जा रहा है।

नगर पालिका अध्यक्ष बसंतीबाई यादव ने कहा कि राजराजेश्वर मंदिर एवं तालाब नगर की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर हैं।

नगर निगम खण्डवा परिसर में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का शुभारंभ

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर शिविर का शुभारंभ सांसद पाटिल ने किया

नागरिकों से 14 जून तक योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन करने की अपील

खंडवा ■ निसं

पूरे प्रदेश में प्रधानमंत्री मोदी जी के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने पर शासन प्रशासन द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं नगर निगम प्रशासन द्वारा निगम प्रांगण में में शुक्रवार से तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया।

समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया की यह शिविर 12 जून से 14 जून तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी, पात्रता अनुसार आवेदन एवं लाभ प्राप्त करने हेतु एक ही स्थान पर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा द्वारा की गई इस अवसर पर एमआईसी सदस्य सोमनाथ काले, राजेश यादव, अनिल वर्मा, दिनेश पालीवाल, सुनील जैन, सुधांशु जैन, श्रीमती रोशनी गोलकर, श्रीमती पिंकी राठौर, गणेश गुरबानी सहित अन्य पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

माँ सरस्वती पूजन के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ: प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके उपरांत स्वागत उद्बोधन निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने जनकल्याण शिविर की उपयोगिता बताते हुए कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है तथा ऐसे शिविर नागरिकों को योजनाओं से सीधे जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को प्राप्त लाभों की जानकारी भी नागरिकों के साथ साझा की।मुख्य अतिथि सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के देश के सबसे लंबे समय तक लगातार कार्यरत प्रधानमंत्री बनने पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

नर्मदापुरम और बुदनी में मौसम का मिजाज बदला

भीषण गर्मी के बीच तेज हवा और बारिश से मिली राहत, लेकिन किसानों की बढ़ी चिंता

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

दिन भर नर्मदापुरम और बुदनी में भीषण गर्मी और तपती धूप ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर रखा था। सुबह से ही सूरज के तीखे तेवर और उमस ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया था। हालांकि, देर शाम मौसम ने अचानक करवट ली और भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत मिली।

तेज हवाओं के साथ हुई बारिश: शाम होते ही अचानक आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। इस बारिश ने तपती धरती को तो ठंडा कर दिया, जिससे शहरवासियों को गर्मी से बड़ी राहत मिली। तापमान में आई गिरावट ने शाम को सुखद बना दिया।

मूंग की फसल को नुकसान की आशंका: जहाँ एक ओर आम जनता ने मौसम में आए इस बदलाव का स्वागत किया है, वहीं दूसरी ओर किसान वर्ग की चिंताएं बढ़ गई हैं। वर्तमान में खेतों में मूंग की फसल पकने की स्थिति में है और कटाई का दौर चल रहा है।

कृषि विशेषज्ञों और किसानों का मानना है कि: फसल पर असर: अचानक हुई इस बारिश और तेज हवाओं से खेतों में खड़ी मूंग की फसल के गिरने की संभावना बढ़ गई है।

कटाई में बाधा: जो फसल काटकर खलिहानों या खेतों में खुले में रखी गई है, उसके भीगने से गुणवत्ता खराब होने का डर है।

नमी का खतरा: फसल में नमी आने से दानों के काले पड़ने या अंकुरित होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मौसम विभाग की इस अनपेक्षित बारिश ने फिलहाल गर्मी से तो निजात दिला दी है, लेकिन किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें गहरी कर दी हैं। अब किसान आसमान की ओर

'निमाड़ क्लब' बनेगा खंडवा का आधुनिक स्पोर्टस एवं रिक्रिएशन हब

पीपीपी मॉडल पर विकसित होंगी अत्याधुनिक खेल एवं सामुदायिक सुविधाएं

खंडवा ■ निसं

खंडवा शहर को शीघ्र ही एक आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं बहुउद्देशीय स्पोर्ट्स एवं रिक्रिएशन सेंटर की सौगात मिलने जा रही है। निमाड़ क्लब समिति द्वारा क्लब परिसर में जिम, कैफे, क्रिकेट टर्फ, पिकलबॉल कोर्ट एवं बैंक्वेट हॉल जैसी आधुनिक सुविधाओं के संचालन एवं रखरखाव हेतु सार्वजनिक निजी भागीदारी अर्थात पीपीपी मॉडल पर निविदा प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई है। निमाड़ क्लब समिति जिले के अधिकारियों द्वारा गठित एक संस्थागत मंच है, जिसके अध्यक्ष कलेक्टर खंडवा, उपाध्यक्ष पुलिस अधीक्षक, सचिव मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तथा अन्य वरिष्ठ जिला अधिकारी सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। समिति का उद्देश्य केवल क्लब संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा नागरिकों एवं शासकीय कर्मचारियों के लिए गुणवत्तापूर्ण मनोरंजन एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

निमाड़ क्लब परिसर में स्थित वर्षों पुराने भवनों का जीर्णोद्धार कर उन्हें आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। इस विकास का मूल उद्देश्य जिले के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों सहित सभी शासकीय सेवकों को बेहतर खेल एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा शहरवासियों के लिए एक ऐसा समेकित परिसर विकसित करना है, जहां खेल, फिटनेस, मनोरंजन एवं सामाजिक गतिविधियों की विविध सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हों। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए निमाड़ क्लब समिति द्वारा ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। प्राप्त निविदाओं में से पात्र निविदाकारों द्वारा 10 जून 2026 को अपने प्रस्तुतीकरण दिए गए, जिनमें प्रस्तावित सुविधाओं के संचालन की कार्ययोजना, नागरिकों को होने वाले लाभ, खेल गतिविधियों के विस्तार तथा परिसर के समग्र विकास संबंधी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया। तकनीकी मूल्यांकन एवं आवश्यक दस्तावेजों के परीक्षण के उपरांत वित्तीय निविदाएं 11 जून 2026 को कलेक्टर एवं समिति सदस्यों की उपस्थिति में खोली गईं, जिसमें 'उत्साह एरीना' का चयन किया गया।

उल्लेखनीय है कि उत्साह एरीना के प्रमुख भागीदार श्री मयंक केशरे पूर्व से 'प्रीमियम फिटनेस जिम' का सफल संचालन कर रहे है, जबकि श्री गौरव सिंह बिसेन 'चौपाल कैफे' के संचालन का अनुभव रखते हैं। खेल एवं आतिथ्य क्षेत्र में उनके अनुभव का लाभ निमाड़ क्लब के विकास एवं बेहतर संचालन में मिलेगा। निमाड़ क्लब के पीपीपी मॉडल पर विकसित होने के बाद खंडवा के नागरिकों को पहली बार एक ही परिसर में आधुनिक जिम, उच्च गुणवत्ता वाला क्रिकेट टर्फ, तेजी से लोकप्रिय हो रहे पिकलबॉल कोर्ट, कैफे एवं बैंक्वेट हॉल जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह परिसर केवल खेल गतिविधियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं परिवारों के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ एवं आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित होगा।

कोर्ट मैरिज के बाद बवाल: तीन बच्चों को छोड़ प्रेमी संग गई महिला

अब पति पर लगा किडनैपिंग का आरोप

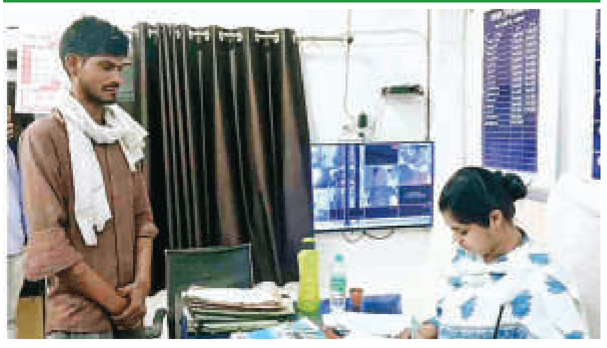

ग्वालियर ■ निसं

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में प्यार, शादी, कोर्ट मैरिज और फिर अपहरण के आरोपों से जुड़ी एक हाई-वोल्टेज खबर सामने आई है। तीन बच्चों की मां अपने किरायेदार प्रेमी के साथ घर छोड़कर चली गई, दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली। लेकिन जब महिला कोर्ट में बयान देने पहुंची तो पति और परिजनों पर उसे जबरन कार में बैठाकर ले जाने का आरोप लग गया। दूसरी तरफ प्रेमी पति का दावा है कि महिला का अपहरण हुआ है।

दरअसल मामला ग्वालियर के झांसी रोड थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि भिंड जिले की रहने वाली 28 साल की महिला करीब छह महीने पहले अपने तीन बच्चों और पति को छोड़कर किरायेदार रामेंद्र सिंह भदौरिया के साथ चली गई थी। दोनों ने कोर्ट मैरिज की और कानपुर में किराये के मकान में रहने लगे। महिला के पति ने पहले ही उसकी गुमशुदगी और बहला-फुसलाकर ले जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। महिला और उसका प्रेमी कोर्ट में बयान देने पहुंचे तब आरोप है कि सुनवाई के बाद दोनों वापस लौट रहे थे, तभी महिला के पति, भाई और अन्य परिजनों ने रास्ते में उनकी कार रोक ली। प्रेमी रामेंद्र का आरोप है कि उसके साथ मारपीट की गई और महिला को जबरन कार में बैठाकर ले जाया गया। इसके बाद वह सीधे थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई।अब पुलिस महिला की खोजबीन में जुटी है,ताकि इस कथित अपहरण की कहानी का खुलासा हो सके।फिलहाल यह मामला प्रेम, परिवार और कानूनी विवाद के बीच उलझा हुआ है। एक तरफ प्रेमी अपहरण का आरोप लगा रहा है, तो दूसरी तरफ पति पर ही पत्नी के अपहरण का आरोप लगा है।

कांजीपुरा हत्याकांड का महज 10 घंटे में खुलासा: पुरानी रंजिश में हुई थी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

खातेगांव ■ निसं

देवास जिले के खातेगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कांजीपुरा में हुए अंधे कत्ल के मामले में पुलिस ने महज 10 घंटे के भीतर वारदात का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पकड़ा गया आरोपी पुरानी रंजिश के चलते इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने की बात कबूल कर चुका है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम कांजीपुरा निवासी हिरालाल जाट और गांव के ही रहने वाले राहुल (पिता बनेसिंह राजपूत) के बीच लंबे समय से पुराना विवाद चल रहा था। घटना के दिन दोनों के बीच इसी रंजिश को लेकर एक बार फिर कहासुनी और विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते विवाद इतना उग्र हो गया कि आरोपी राहुल ने पास ही पड़ी सागवान की लकड़ी उठाकर हिरालाल जाट पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में हिरालाल के सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

हत्या की सनसनीखेज वारदात की सूचना मिलते ही खातेगांव पुलिस तुरंत सक्रिय हुई। पुलिस ने बिना वक्त गंवाए त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की घेराबंदी शुरू की। पुलिस टीम ने वारदात के मात्र 10 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी राहुल राजपूत को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए जाने के बाद जब पुलिस ने आरोपी राहुल से कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने पुरानी रंजिश के चलते हिरालाल जाट की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। खातेगांव पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की धारा 103(1) (हत्या) के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।

ग्रामीण इलाके में हुई इस गंभीर वारदात के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन सकता था, लेकिन खातेगांव पुलिस की तत्परता और केवल 10 घंटे के भीतर आरोपी की गिरफ्तारी ने कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखा। क्षेत्र के नागरिकों ने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

पंधाना में 3 दिवसीय जनकल्याण शिविर का हुआ शुभारंभ

खण्डवा। जिले के विभिन्न विकासखण्ड एवं नगरीय निकायों के मुख्यालयों पर तीन दिवसीय जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत छूटे हुए पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण के लिए व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में शुक्रवार को जनपद पंचायत पंधाना एवं नगर परिषद पंधाना द्वारा जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंधाना विधायक श्रीमती छाया गोविंद मोरे ने सरस्वती पूजन कर किया। शिविर में राजस्व विभाग, चिकित्सा विभाग, कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पशुपालन विभाग, नगर परिषद एवं जनपद उपस्थित थे। जनपद पंचायत पंधाना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि शिविर में विभागों द्वारा अपने संबंधित हितग्राहियों को लाभ भी दिया गया।

इंदौर में 12वीं की छात्रा ने किया सुसाइड

युवक कर रहा था परेशान, लिखित शिकायत भी की थी; शव रखकर परिजनों ने किया चक्काजाम

इंदौर ■ निसं

इंदौर के परदेशीपुरा क्षेत्र में 12वीं कक्षा की 17 वर्षीय छात्रा ने शुक्रवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि क्षेत्र में रहने वाला नमन नामक युवक लंबे समय से छात्रा को परेशान कर रहा था और उसे धमकियां दे रहा था।

घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और कुलकर्णी भट्टा क्षेत्र के लोगों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर छात्रा का शव सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि युवक की प्रताड़ना से परेशान होकर छात्रा ने यह कदम उठाया। परिजनों के अनुसार, छात्रा ने करीब एक माह पहले परदेशीपुरा थाने में लिखित शिकायत देकर युवक नमन कामले पर पीछा करने और धमकाने के आरोप लगाए थे। शिकायत में यह भी कहा गया था कि युवक ने उसके जीजा को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी। हालांकि परिवार का आरोप है कि मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई और केवल समझाइश देकर छोड़ दिया गया।

सुसाइड नोट नहीं मिला: शुक्रवार सुबह छात्रा को उसके पिता ने कमरे में फंदे पर लटका देखा। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया है। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

'द नर्मदा स्टोरी' 12 जून को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

रहस्यमयी सच्ची घटना पर बनी फिल्म 'द नर्मदा स्टोरी' 12 जून से देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई

फिल्म अपने अनोखे प्रमोशन और दमदार कहानी को लेकर पहले से ही चर्चा में है

क्या है 'द नर्मदा स्टोरी'?

फिल्म की कहानी नर्मदापुरम से जुड़े एक हाई-वोल्टेज केस पर आधारित है। इसमें रहस्य, अपराध और इमोशनल संघर्ष का तड़का है। कहानी एक पुलिस अधिकारी के अचानक गायब होने के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके पीछे छिपे कई चौंकाने वाले राज धीरे-धीरे सामने आते हैं।

प्रमोशन ने मचाया था बवाल: रिलीज से पहले ही फिल्म की टीम ने एक वायरल कैंपेन चलाया था जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। मई 2026 में नर्मदापुरम से एक स्क्रीनशॉट वायरल हुआ जिसमें दावा किया गया कि पुलिस इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम भदौरिया रात 1 बजे किसी केस के सिलसिले में घर से निकले और फिर लापता हो गए।

'ब्रेकिंग न्यूज़' ग्राफिक्स, सीसीटीवी फुटेज और 'पुरुषोत्तम भदौरिया कहाँ हैं?'

जैसे सवालों ने लोगों में डर और एक्साइटमेंट दोनों पैदा कर दिए। जिला पुलिस ने हाई अलर्ट तक जारी कर दिया था और 12 जून तक केस सुलझाने का अल्टीमेटम दिया गया था। बाद में साफ हुआ कि यह पूरा मामला 'द नर्मदा स्टोरी' का प्रमोशनल स्टंट था, जिसे सस्पेंस और रियलिस्टिक प्रेजेंटेशन के जरिए दर्शकों में उत्सुकता जगाने के लिए किया गया था।

स्टार कास्ट: रियल 'लेडी सिंघम' निभाएंगी लीड रोल: फिल्म की सबसे खास बात है इसकी लीड एक्ट्रेस। भोपाल में डीआईजी महिला सुरक्षा के पद पर तैनात रियल आईपीएस ऑफिसर सिमाला प्रसाद मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। 'लेडी सिंघम' के नाम से फेमस सिमाला प्रसाद को देश के बेहतरीन पुलिस अधिकारियों में गिना जाता है।

इनके साथ रघुवीर यादव, मुकेश तिवारी, अंजलि पाटिल, अश्विनी कालसेकर और ज़रीना वहाब जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम किरदारों में हैं।

क्यों खास है नर्मदापुरम?: होशंगाबाद का नाम 2021 में बदलकर नर्मदापुरम किया गया था। मां नर्मदा के तट पर बसा यह शहर आस्था और संस्कृति का केंद्र है। हाल ही में यहां नर्मदा जयंती पर लेजर शो में मां नर्मदा की गाथा भी दिखाई गई थी। फिल्म में भी नर्मदा नदी और इस क्षेत्र की संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी।

रिलीज डेट: 'द नर्मदा स्टोरी' का ट्रेलर जल्द आ रहा है और फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी ।

इंदौर में टमाटर 80 रुपए किलो, MP की फसल खत्म

800-1000 रुपए में एक कैरेट, अब महाराष्ट्र के भरोसे सप्लाई; अभी और बढ़ेंगे दाम

इंदौर ■ निसं

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का असर अब आम लोगों की रसोई पर साफ दिखाई देने लगा है। इंदौर में टमाटर के दाम 80 रुपए प्रति किलो के पार पहुंच गए हैं। आने वाले दिनों में कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है। प्रदेश का स्थानीय उत्पादन लगभग खत्म हो चुका है।

शहर की सबसे बड़ी चोइथराम स्थित देवी अहिल्याबाई फल और सब्जी मंडी में टमाटर के भाव 800 से 1000 रुपए प्रति कैरेट तक पहुंच गए हैं। अच्छी क्वालिटी के टमाटर थोक बाजार में 50 से 60 रुपए प्रति किलो बिक रहे हैं, जबकि खुदरा बाजार में यही टमाटर 70 से 80 रुपए प्रति किलो तक पहुंच चुका है।

अब महाराष्ट्र के भरोसे पूरा मध्य प्रदेश: वर्तमान में इंदौर सहित पूरे मध्य प्रदेश में टमाटर की सप्लाई के लिए महाराष्ट्र ही प्रमुख सोर्स बचा है। नारायणगांव और कलवन क्षेत्र से आने वाला टमाटर मंडी में पहुंच रहा है। आने वाले करीब तीन महीनों तक यही स्थिति बनी रहने की संभावना है। गणेश चतुर्थी के आसपास नई फसल बाजार में आने के बाद ही कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी मुख्यालय में 24वें स्थापना दिवस का शुभारंभ

प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने किया पौधरोपण

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 24वें स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ गुरुवार को कंपनी मुख्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ किया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने पौधरोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी/वाणिज्य) श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव, निदेशक (पी.डी.टी.सी.) श्री अनिल कुमार खत्री, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) डॉ. राकेश शर्मा, मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री अखिलेश कुमार पांडे, मुख्य महाप्रबंधकगण श्रीमती स्वाति सिंह, सुश्री मनीषा मेश्राम, श्रीमती अमिता तिवारी, श्री अशोक कुमार सक्सेना तथा मुख्य महाप्रबंधक (भोपाल क्षेत्र) श्री बृजभान सिंह परिहार ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया।

प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने कंपनी के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया। प्रतियोगिताओं में रस्साकशी, नींबू-चम्मच दौड़, साइकिल रेस एवं म्यूजिकल चेयर सहित विभिन्न खेल गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिनमें कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बिजली कार्मिकों ने ली कर्तव्यनिष्ठा की शपथ: कंपनी के 24वें स्थापना दिवस पर कंपनी मुख्यालय के आस्था परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रबंध संचालक श्री गर्ग ने कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवा, पारदर्शिता, उत्कृष्ट कार्य संस्कृति तथा उपभोक्ता हितों के प्रति सजग रहने की शपथ दिलाई।

उल्लेखनीय है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का 24वां स्थापना दिवस 12 एवं 13 जून को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जा रहा है। इस दौरान कंपनी मुख्यालय के साथ ही भोपाल क्षेत्र तथा ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत वृत्त स्तर पर विभिन्न सांस्कृतिक व सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन, बिजली कार्मिकों द्वारा पौधरोपण, रक्तदान शिविर के आयोजन के साथ ही कंपनी कार्यों में सहयोग करने वाले नागरिकों और शत-प्रतिशत बिजली बिल भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को सम्मानित किया जा रहा है।

स्थापना दिवस पर तीन घंटों में 64 लोगों ने किया रक्तदान

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा शुक्रवार को गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कंपनी मुख्यालय के पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग सेंटर (पीडीटीसी) परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का उत्साह देखते ही बना। कंपनी द्वारा आयोजित शिविर में बिजली कार्मिकों सहित 64 लोगों ने रक्तदान कर अपना सामाजिक दायित्व निभाया। प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने रक्तदान शिविर का अवलोकन कर रक्तदाताओं का आभार व्यक्त कर शुभकामनाएं दीं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ए.के. गोयल के निर्देशन में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला।

ई-रिक्शा चोरी होने से बेरोजगार हुए युवक ने जहर खाया

भोपाल। शहर के टीला जमालपुरा थाना इलाके में एक युवक ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। बताया गया है की मृतक का ई-रिक्शा चोरी हो गया था, जिसके बाद वह बेरोजगार हो गया और काफी मानसिक तनाव में आ गया था। मर्ग कायम करपुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपते हुए आगे की जॉच शुरु कर दी है। थाना पुलिस के अनुसार जीतू रैकवार पिता नन्नूलाल रैकवार (41) निवासी रेजीमेंट रोड स्थित रविदासपुरा ई-रिक्शा चलाकर परिवार का गुजर-बसर करते थे। वहीं उनकी पत्नी घरों में काम करती हैं। करीब चार महीने पहले उनका ई-रिक्शा चोरी हो गया था। जिस कारण वह बेरोजगार हो गये और काफी तनाव में रहने लगे थे। परेशानी के कारण वह शराब पीने लगे थे। शराब पीने को लेकर पत्नी से कहासुनी भी होती थी। बीती 4 जून को उन्होनें जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों ने उन्हें इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। जहॉ इलाज के दौरान बीते दिन गुरुवार की शाम उन्होंने दम तोड़ दिया।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से पैदल जा रहे अधेड़ की मौत

भोपाल। श्यामला हिल्स थाना इलाके में बुधवार-गुरुवार की रात एक तेज रफ्तार कार ने एक पैदल जा रहे अधेड़ व्यक्ति को टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में घातक चोटें आने से अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया। बताय गया है की कार चालक पॉलिटेक्निक चौराहे से कमला पार्क की ओर जा रहा था। मर्ग कायम कर पुलिस सीसीटीवी कैमरे के जरिए आरोपी की पहचान जुटाने के प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार बैरसिया स्थित दौलतपुरा में रहने वाले मोहर सिंह (52) पिछले कुछ समय से परिवार से अलग होकर किलोल पार्क क्षेत्र के आसपास रहते हुए अपना जीवनयापन कर रहे थे।

टैक्स चुकाने के डर से कबाड़ में बिक रहीं गाड़ियां

90 प्रतिशत टैक्स माफी खत्म होते ही अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्रों पर वाहनों की संख्या घटी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश में पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को सडक़ों से हटाने के लिए लागू की गई वाहन स्क्रैपिंग नीति अब अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रही है। परिवहन विभाग द्वारा 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों पर बकाया टैक्स में दी जा रही 90 प्रतिशत तक की छूट मार्च में समाप्त होते ही अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्रों पर वाहनों की संख्या में भारी गिरावट आ गई है। टैक्स के भारी बोझ से बचने के लिए लोग अब अधिकृत केंद्रों की बजाय स्थानीय कबाडियों को वाहन बेचने का रास्ता अपना रहे हैं।

प्रदेश में करीब 20 लाख ऐसे वाहन हैं जो 15 वर्ष से अधिक पुराने हो चुके हैं। इनमें लगभग 12 लाख पेट्रोल और 8 लाख डीजल वाहन शामिल हैं। अकेले भोपाल जिले में ही करीब 1.6 लाख पुराने वाहन दर्ज हैं। इसके बावजूद वर्ष 2024 से अब तक पूरे प्रदेश में केवल 12 से 15 हजार वाहन ही अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्रों तक पहुंच पाए हैं। भोपाल में यह संख्या महज ढाई हजार के आसपास है।

टैक्स छूट खत्म होते ही घटी स्क्रैपिंग

वाहन स्क्रैपिंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एक वर्ष के लिए बकाया टैक्स में 90 प्रतिशत तक की छूट दी थी। योजना समाप्त होने के बाद वाहन मालिकों को वर्षों का बकाया टैक्स जमा करना पड़ रहा है, जिससे वे अधिकृत प्रक्रिया से दूरी बना रहे हैं। स्क्रैपिंग सेंटर संचालकों का कहना है कि टैक्स माफी योजना बंद होने के बाद वाहन मालिकों की रुचि कम हो गई है। लोगों में नीति के प्रति जागरूकता भी अपेक्षाकृत कम है, जिसके कारण अधिकृत स्क्रैपिंग की बजाय अनौपचारिक कबाड़ बाजार सक्रिय हो गया है।

सीओडी का लाभ भी नहीं खींच पा रहा लोगों को

अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्र पर वाहन जमा कराने पर वाहन मालिक को सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट (सीओडी) मिलता है। इस प्रमाणपत्र के आधार पर नया वाहन खरीदने पर रोड टैक्स और पंजीयन शुल्क में छूट मिलती है। कई वाहन निर्माता कंपनियां भी अतिरिक्त डिस्काउंट देती हैं। इसके बावजूद पहले बकाया टैक्स चुकाने की अनिवार्यता लोगों के लिए बड़ी बाधा बनी हुई है। प्रदेश में वर्तमान में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और रतलाम सहित सीमित संख्या में ही अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्र संचालित हैं। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के वाहन मालिकों के लिए वहां तक पहुंचना भी चुनौती बना हुआ है।

ऐसे तय होती है कबाड़ की कीमत

वाहन के कुल वजन का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा कांच, रबर, टायर और अन्य अपशिष्ट सामग्री माना जाता है। शेष 65 प्रतिशत हिस्से में लोहा, स्टील और एल्यूमीनियम जैसी धातुएं शामिल होती हैं, जिनका मूल्य बाजार दर के अनुसार दिया जाता है। उदाहरण के लिए यदि किसी कार का वजन 1,000 किलोग्राम है, तो लगभग 650 किलोग्राम धातु के आधार पर भुगतान तय होगा। इसके साथ मिलने वाला सीओडी प्रमाणपत्र दो वर्ष तक वैध रहता है और इसे परिवार के किसी अन्य सदस्य को भी हस्तांतरित किया जा सकता है।

नीति के सामने बड़ी चुनौती: सरकार का उद्देश्य प्रदूषण कम करना और सडक़ों से जर्जर वाहन हटाना है, लेकिन टैक्स बकाया, सीमित स्क्रैपिंग केंद्र और जागरूकता की कमी इस नीति की राह में बड़ी बाधा बन रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सरकार फिर से टैक्स राहत या प्रोत्साहन योजना लागू करती है तो अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्रों की ओर लोगों का रुझान बढ़ सकता है और नीति को नई गति मिल सकती है।

विधायक सबनानी ने किया वार्ड क्र. 24 एवं 25 के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण

साफ-सफाई, नाला-नाली की समस्याओं से संबंधित निर्देश भी दिए

भोपाल ■ अमृत दर्शन

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी ने वार्ड क्र. 24 एवं 25 के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया और नागरिकों से संवाद करने के साथ ही प्रचलित कार्यों का जायजा लिया एवं नवीन विकास कार्यों हेतु विधिवत भूमिपूजन भी किया। इस दौरान विधायक सबनानी ने साफ-सफाई, पानी, बिजली, सीवेज, नाला-नाली आदि से संबंधित नागरिकों की शिकायतों का त्वरित एवं स्थायी निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान श्री सबनानी ने वृक्षारोपण भी किये। निरीक्षण के दौरान नगर निगम विद्युत मण्डल सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

विधायक भगवानदास सबनानी ने प्रात: एवं दोपहर बाद वार्ड क्र. 24 एवं 25 के अंसल अपार्टमेंट, लुम्बनी परिसर, कृष्णा नगर, प्रताप नगर, गंगा नगर, प्रोफेसर कालोनी, कमला पार्क, किलोल पार्क, बाणगंगा, रोटरी क्लब, झरनेश्वर मंदिर क्षेत्र, 12 दफ्तर, जवाहर चौक, न्यू एम.एल.ए. क्वार्टर, गोमंतिका परिसर आदि क्षेत्रों का निरीक्षण किया और स्थानीय नागरिकों से संवाद भी किया।

विधायक सबनानी ने नागरिकों द्वारा जलप्रदाय, स्ट्रीट लाईट, विद्युत कनेक्शन, सड़क, सीवेज लाईनों की सफाई, नाला-नाली के निर्माण आदि की समस्याओं से अवगत कराने पर नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं स्थायी निदान हेतु शीघ्रता से कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। विधायक सबनानी ने निरीक्षण के दौरान वार्ड क्र. 24 के अंतर्गत धर्मपुरी, कृष्णा नगर, गंगा नगर, रोशनपुरा, न्यू एम.एल.ए क्वाटर्स, गोमन्तिका परिसर आदि में कार्यों का अवलोकन किया और प्रचलित कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी भी प्राप्त की।

प्रदोष व्रत पर दादाजी धाम में श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ भगवान शिव का सामूहिक रुद्राभिषेक

भोपाल ■ अमृत दर्शन

जागृत एवं दर्शनीय तीर्थस्थल दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल में शुक्रवार को प्रदोष व्रत के पावन अवसर पर भगवान शिव का सामूहिक रुद्राभिषेक, विशेष पूजन, वैदिक अनुष्ठान एवं महाआरती श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान शिव की आराधना कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

ट्रस्ट अध्यक्ष शिवरतन नामदेव ने बताया कि सायं 6:00 बजे से प्रदोष काल में भगवान शिव का सामूहिक रुद्राभिषेक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य भगवान शिव का दुग्ध, जल एवं पवित्र द्रव्यों से अभिषेक कर पूजन-अर्चन किया। तत्पश्चात भगवान शिव का विशेष श्रृंगार कर महाआरती सम्पन्न की गई। सम्पूर्ण मंदिर परिसर शिवभक्ति, मंत्रध्वनि एवं हर-हर महादेव के जयघोष से भक्तिमय वातावरण में परिवर्तित हो गया।

प्रदोष व्रत प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तिथि को किया जाने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण व्रत है। शास्त्रों के अनुसार इस व्रत के प्रभाव से पापों का क्षय होता है, रोग एवं बाधाएँ दूर होती हैं तथा परिवार में सुख, सौभाग्य और मंगल का वास होता है। भगवान शिव की कृपा से भक्तों की मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजनों ने लगाया पति पर हत्या का आरोप

भागकर आये नाती ने परिवार वालों से कहा 'पापा ने मम्मी को मार डाला'

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नये शहर के कोलार थाना इलाके में स्थित बंजारा बस्ती में रहने वाली एक विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष ने महिला के पति पर हत्या का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। जॉच टीम का कहना है की पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत ही मौत का सही कारण साफ हो सकेगा, जिसके आधार पर ही परिवार द्वारा लगाये गये आरोपो की जॉच की जायेगी।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतका बबीता अहिरवार (30) की शादी 9 साल पहले वेल्डिंग का काम करने वाले सुनील अहिरवार से हुई थी। बबीता घरेलू महिला था, परिवार में दो बच्चे हैं, जिनमें 7 साल का बेटा समर्थ और 4 साल की बेटी है। मृतका के पिता हरनाम सिंह का कहना है कि गुरुवार रात करीब 8 बजे उनका 7 साल का नाती समर्थ दौड़ता हुआ उनके घर आया और बोला की पापा ने मम्मी को मार दिया है। उसकी बात सुनकर परिवार वाले बुरी तरह घबरा गये और तुरंत ही दौड़कर बबीता के घर पहुंचे, जहां वह जमीन पर बेसूध पड़ी नजर आई। परिजनों का कहना है कि मौके पर बबीता की चूड़ियां टूटी हुई पड़ी थीं, साथ ही उसके हाथ पर चोट के निशान थे, और गले पर उंगलियों जैसे निशान नजर आ रहे थे। पिता का आरोप है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई है।

परिजनों का कहना है की बबीता का पति सुनील अहिरवार शराब पीने का आदी है। वह अक्सर शराब के नशे में घर आता था, जिसका बबीता विरोध करती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद होता था। घटना वाली रात भी पति शराब पीकर घर लौटा था और दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस का कहना है की विवाहिता की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। मर्ग कायम कर घटनास्थल की जांच के बाद शव को पीएम के लिये भेजा गया हैं।

निगम ने हटाए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमण

जिला प्रशासन की कार्यवाहियों में सहयोग देकर 1 मकान की कुर्की तथा 1 मकान का सामान खाली करवाया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नगर निगम द्वारा शहर में अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण कर बनें अवैध रूप से बनीं झुग्गी, टीन शेड, बांस बल्ली का छप्पर, आवागमन में बाधक दो पहिया व चार पहिया वाहन, रेत गिट्टी, फुटपाथ पर लगी सब्जी, जूते, चप्पल की दुकानें एवं दुकानों के बाहर रखा सामान, ठेले, गुमठी, पान पार्लर, काउंटर, बोर्ड टेबिल, स्टूल, कुर्सी व अन्य अतिक्रमणों को हटाया तथा 01 गुमठी जप्त की।

निगम अमले ने अयोध्या बायपास आजाद नगर में अवैध रूप से किये जा रहे 01 मकान निर्माण का कार्य रूकवाया। निगम अमले ने जिला प्रशासन की कार्यवाहियों में सहयोग देकर करोद विश्वकर्मा नगर में 01 मकान की कुर्की एवं बाग फरहत अफजा में 01 मकान का सामान खाली कराने की कार्यवाही की। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने शुक्रवार को कोलार रेस्ट हाउस, चूना भट्टी, बंजारी, निर्मलादेवी गेट, डीमार्ट, मण्डी रोड, बिट्ठल मार्केट, केम्पियन स्कूल, 12 नम्बर, मैनिट चौराहा, माता मंदिर संजय काम्प्लेक्स, लिंक रोड नं0-1,2,3, जवाहर चैक, सरस्वती नगर, न्यू मार्केट समता चैक, रेतघाट, रविन्द्र भवन, पॉलीटेक्निक रोड, रानी कमलापति ब्रिज, कमला पार्क, एम.पी. नगर जोन-01,02, रानी कमलापति रेल्वे स्टेषन, आलम नगर, आनंद नगर, अयोध्या बायपास आजाद नगर, प्रभात चौराहा, मण्डी चौराहा, अशोका गार्डन दशहरा मैदान, पुष्पा नगर, बाग फरहत अफजा, भोपाल टाकीज, आजाद मार्केट, हमीदिया रोड, हमीदिया अस्पताल गेट नं0-2, डीआईजी बंगला, करोंद विश्वकर्मा नगर, हाउसिंग बोर्ड, करोंद चौराहा आदि क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए करोद हाउसिंग बोर्ड में अवैध रूप से बना 01 बांस बल्ली का छप्पर, तोड़ा तथा रानी कमलापति ब्रिज कमला पार्क से अवैध बनीं 01 झुग्गी, 12 नंबर मल्टी के सामने से अवैध बना 01 टीन का शेड, पॉलीटेक्निक मलेरिया हास्पिटल के पास सर्विस रोड से 35 चार पहिया वाहन, 05 काउंटर, 03 ठेले व एम.पी.नगर जोन 02 क्षेत्र से 05 चार पहिया वाहन, कोलार बंजारी क्षेत्र से 05 दो पहिया वाहन, सड़क पर रखी रेत, गिट्टी को हटवाया।

स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती

एसबीआई ने सीएसआर के तहत दी कार्डियक केयर एम्बुलेंस एवं मोबाइल कैंसर जांच बस की सौगात

भोपाल ■ अमृत दर्शन

देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) कार्यक्रमों के अंतर्गत मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दो प्रमुख स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की। इन पहलों का उद्देश्य ग्रामीण, दूरस्थ एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर एसबीआई के प्रबंध निदेशक श्री रामा मोहन राव अमारा एवं भोपाल सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रभाष कुमार सुबुद्धि द्वारा अमलतास एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी, देवास तथा सबका सहारा सोशल वेलफेयर सोसायटी, भोपाल को सीएसआर परियोजनाओं हेतु

स्वीकृत सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए गए।

एसबीआई द्वारा अमलतास एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी के अंतर्गत संचालित अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, देवास को एक अत्याधुनिक कार्डियक केयर एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई। यह एम्बुलेंस ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम, स्ट्रेचर, सक्शन मशीन, जीवनरक्षक दवाओं, फर्स्ट एड उपकरणों तथा प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों सहित सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है। इससे देवास तथा आसपास के ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को नई गति मिलेगी तथा गंभीर रोगियों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

इसी क्रम में एसबीआई द्वारा सबका सहारा सोशल वेलफेयर सोसायटी भोपाल को सहायता प्रदान की गई, जिसके माध्यम से एक अत्याधुनिक मोबाइल हेल्थकेयर एवं कैंसर डिटेक्शन बस का संचालन किया जाएगा। यह चलित चिकित्सा इकाई ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर पैथोलॉजी जांच, एक्स-रे सुविधा, स्तन कैंसर स्क्रीनिंग एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण उपलब्ध कराएगी। इससे हजारों जरूरतमंद लोगों को उनके घर के निकट ही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त होगा तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार संभव हो सकेगा।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक (नेटवर्क-1) भरत कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक (नेटवर्क-2) नीलांक रॉय, महाप्रबंधक (नेटवर्क-3) मनोज कुमार, महाप्रबंधक (सर्कल ऑडिट ऑफिस) शुभकांत कानूनगो,डीजीएम (मंडल विकास अधिकारी) मनीष मठपाल सहित बैंक के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अमलतास ग्रुप की ओर से डॉक्टर प्रशांत तथा सबका सहारा सोशल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. अभिजीत देशमुख ने भारतीय स्टेट बैंक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बैंक द्वारा प्रदान किया गया यह सहयोग हजारों मरीजों एवं उनके परिवारों के लिए वरदान सिद्ध होगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को नई मजबूती प्रदान करेगा।

अनमोल वचन

हमे भूत के बारे में पछतावा नही करना चाहिए, ना ही भविष्य के बारे में चिंतित होना चाहिए, विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीते है। – **चाणक्य**

हम सभी एक दुसरे की मदद करना चाहते है, मनुष्य ऐसे ही होते है, हम एक दुसरे के सुख के लिए जीना चाहते है दु:ख के लिए नहीं। – **चार्ली चेपलिन**

सम्पादकीय

जेन-जी महंगाई और बेरोजगारी से परेशान, सपनों में जी रहा

पूरी दुनिया में जेन–जी की आबादी चिंता का कारण बनती चली जा रही है। यह युवा आबादी ना तो अपने परिवार के बारे में सोचती है, नाही समाज के बारे में सोचती है, यह केवल अपने बारे में सोचती है। इसके पास शिक्षा की डिग्रियां भी हैं, लेकिन डिग्री के अनुरूप ज्ञान नहीं है। जीवन जीने का कोई अनुभव नहीं है। वह कोई चीज सीखना भी नहीं चाहते हैं। किसी चीज से जुड़ते हैं और उसे जल्दी ही छोड़ देते हैं। उनका सबसे ज्यादा समय सोशल मीडिया और इंटरनेट पर बीत रहा है, जिसके कारण वह सामान्य ज्ञान से भी दूर होते चले जा रहे हैं। वर्तमान की जो युवा पीढ़ी है वह डिग्री लेकर बड़े–बड़े सपने देखती है लेकिन डिग्री के अनुरूप उसके पास ना तो कोई ज्ञान होता है नाही वह कोई काम करना चाहता है जिसके कारण यह युवा पीढ़ी एक बड़ी चिंता का कारण भी बन रही है। जेन–जी को ना तो वामपंथी विचारधारा पर विश्वास है ना ही उसे पूंजीवाद पर विश्वास है, वह पूरी तरह से सेल्फिश होकर केवल अपने बारे में सोचती है। उसे अपने परिवार और मां–बाप की कठिनाइयों से भी कोई सरोकार नहीं रहता है। वह जब भी बात करता है केवल अपने हित की बात करता है। वह अपने माता–पिता और परिवार से दूर रहकर केवल अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने परिवार से उतना ही जुड़ता है जो उसकी जरूरत पूरी करने के लिए जरूरी होती हैं। भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, यूरोपीय देश सभी में जेन–जी के इस बर्ताव से सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्था में अब एक तनाव देखने को मिल रहा है। हाल ही में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट आफ पॉलिटिक्स ने 2020 से 2025 के बीच जो सर्वे किया था उसमें यह बात खुलकर सामने आई कि इस युवा पीढ़ी को पूंजीवाद वामपंथ समाजवाद इत्यादि विचारधारा से कोई लेना–देना नहीं है। यह केवल अपनी जरूरत से जुड़कर ही अपनी बात रखता है। मेरा किराया कम करो, फीस माफ करो, मुफ्त बस सेवा दो, मुझे नौकरी दो, नौकरी भी सबसे अच्छी वाली चाहिए है, जिसमें बड़ा वेतन मिलता हो, कॉरपोरेट ऑफिस हो। इस तरह की मांग इस युवा पीढ़ी की होती है, लेकिन यह अनुभव प्राप्त करने के लिए अथवा जो भी नौकरी या रोजगार करना चाहता है जो उसके सपने में है उसके लिए वह अपने आपको तैयार भी नहीं कर रहा है। सोशल मीडिया के जरिए उसके सपने बड़े–बड़े हो गए हैं। सारी दुनिया में क्या हो रहा है यह उसे पता है लेकिन उसका केरियर कैसे बनेगा इसके बारे में वह जरा भी गंभीर नहीं है। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि यह अपने मां–बाप को भी अपना नहीं मानने के लिए तैयार है, क्योंकि वह उसकी जरूरतों को पूरा नहीं कर पाते हैं। ऐसी स्थिति में वह उनसे भी नाराज रहकर विद्रोह करने की स्थिति में आ जाता है। वर्तमान में यह वर्ग बढ़ती हुई महंगाई, बेरोजगारी तथा इसका रहन–सहन और खर्च करने की आदत के कारण यह सबसे ज्यादा परेशान है। हाल ही में जो सर्वे हुए हैं उनमें 36 फ़ीसदी युवा इसी स्थिति से गुजर रहा है। यह युवा वर्ग अरबपतियों पर भारी टैक्स लगाने का पक्षधर है। यह बाजारवाद का शिकार हो गया है। सारी दुनियां में जिस तरह से कॉरपोरेट लगातार सामान की कीमत बढ़ाकर मुनाफाखोरी कर रहे हैं, उससे यह युवा वर्ग के टारगेट में आते चले जा रहे हैं।

हाल ही में अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी निर्वाचित हुए हैं, उनकी जीत में सबसे बड़ा कारण यही बताया जा रहा है कि उन्होंने जेन–जी के इस मनोविज्ञान को समझा उन्होंने इसी वर्ग के लिए सबसे ज्यादा लोक लुभावन वायदे किए। ममदानी ने निम्न वर्ग और मध्य वर्ग को महंगाई से राहत दिलाने की बात की, उन्होंने महंगाई के खिलाफ सभी लोगों को एकजुट किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विरोध के बाद भी उन्होंने न्यूयॉर्क में मेयर के पद के चुनाव में जीत हासिल की। अब उनकी देखा–देखी यूरोप के अन्य देशों में भी चुनाव जीतने के लिए यही फार्मूला अपनाया जा रहा है। ब्रिटेन के ग्रीन पार्टी के नेता जैक पोलंसकी भी चुनाव जीतने के लिए लोक लुभावन वादे कर रहे हैं। भारत पर पिछले एक दशक से राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए इसी तरह के वादे करके चुनाव जीत रहे हैं, लेकिन अभी तक भारत में जेन–जी की समस्याओं को हल करने की दिशा में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने कोई काम नहीं किया है। इस दिशा में भी जेन–जी गंभीर नहीं नजर आता है। वैश्विक व्यापार संधि के बाद सारी दुनिया में कर्ज और बाजारवाद की जो आंधी चली है उसमें सबसे ज्यादा प्रभावित यही जेन–जी हुआ है। इसने अपने सपने पूरे करने के लिए एजुकेशन लोन भी लिया है। गाड़ी–घोड़े भी लोन से लिए हैं। मोबाइल फोन भी किस्तों पर लेकर तथा क्रेडिट कार्ड और अन्य तरीके से कर्ज लेकर अपने खर्चे पूरे करने का जो तरीका अपनाया था वह उसकी आदत में शुमार हो चुका है। जिस तरह से भारत सहित दुनिया के सभी देशों में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है, रही सही कसर ए आई तकनीकी के कारण बेरोजगारी और तेजी के साथ बढ़ रही है। महंगाई भी लगातार बढ़ती चली जा रही है। ऐसी स्थिति में एक बड़ी पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक समस्या एक विकट रूप में सामने आ रही है। इस समस्या का समाधान किस तरह से होगा, इसको लेकर अब दुनिया भर के विश्वविद्यालय शोध कार्यक्रम चला रहे हैं। डिग्रियों के बावजूद जब काम नहीं मिल रहा है, बेरोजगारी बढ़ रही है ऐसी स्थिति में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अब कॉलेज और विश्वविद्यालय में एडमिशन नहीं हो पा रहे हैं। हर साल बड़ी संख्या में सीट खाली रह जाती हैं। महंगाई के कारण मांग घटती चली जा रही है। कारपोरेट जगत का मुनाफा निश्चित रूप से बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है लेकिन जिस तरह से अब मांग घटने लगी है इसके कारण कॉरपोरेट भी चिंतित नजर आने लगे हैं। बदली हुई इस व्यवस्था को लेकर सारी दुनिया में चिंता बढ़ गई है। सरकारों के खिलाफ आंदोलन हो रहे हैं। हर तरफ अफरा–तफरी का माहौल है। दुनिया में आर्थिक मंदी और महंगाई दोनों ही बढ़ रही हैं। जिस तेजी के साथ जेन–जी का गुस्सा देखने को मिलता है। बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल एवं अन्य देशों की घटनाओं को देखते हुए यह क्षणिक में बहुत बड़ा नुकसान कर देता है और उसके बाद निराशा में शांत होकर बैठ जाता है। इस वर्ग के इस आचरण को देखते हुए किसी क्रांतिकारी बदलाव की आशा भी देखने को नहीं मिल रही है। इससे सभी आश्चर्यचकित हैं।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, राष्ट्र सेवा का सर्वोच्च साधन बनाया

आज विश्व भारत को निर्णायक शक्ति, विश्वसनीय साझेदार और भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में देखता है

राजेन्द्र शुक्ल

> प्रधानमंत्री मोदी का देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में स्थापित होना केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, यह भारत की जनता के अटूट विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। निरंतर जनसमर्थन किसी पद या प्रचार से नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, पारदर्शिता, निर्णायक नेतृत्व और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की कार्य शैली से अर्जित होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं को सदैव 'प्रधान सेवक' के रूप में प्रस्तुत किया और गरीब, किसान, महिला, युवा तथा समाज के अंतिम व्यक्ति के वन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सतत प्रयास किया।

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ क्षण ऐसे हैं जो केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होते, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक आकांक्षाओं और विश्वास का प्रतीक बन जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश की जनता के निरंतर विश्वास के साथ ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त कर दीर्घकाल तक राष्ट्र का नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त करना गौरवपूर्ण क्षण है। यह केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण के संकल्प, सेवा और सुशासन की विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च साधन बनाया। उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी एक नई पहचान स्थापित की है। आज विश्व भारत को केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति, विश्वसनीय साझेदार और भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में देखता है। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली हुई है और यह परिवर्तन प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच तथा निर्णायक नेतृत्व का परिणाम है।

प्रधानमंत्री मोदी का देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में स्थापित होना केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, यह भारत की जनता के अटूट विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। निरंतर जनसमर्थन किसी पद या प्रचार से नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, पारदर्शिता, निर्णायक नेतृत्व और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की कार्य शैली से अर्जित होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं को सदैव 'प्रधान सेवक' के रूप में प्रस्तुत किया और गरीब, किसान, महिला, युवा तथा समाज के अंतिम व्यक्ति के वन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सतत प्रयास किया। यही कारण है कि देश की जनता ने बार–बार उन पर अपना विश्वास व्यक्त किया। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, अथक कार्यशक्ति, दूरदर्शी सोच और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का स्पष्ट संकल्प करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करता है तथा उन्हें जन–जन का प्रिय नेता बनाता है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, रक्षा क्षमता, अंतरिक्ष विज्ञान और आर्थिक सुधारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जनधन, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर जल, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम किसान सम्मान निधि और डिजिटल इंडिया जैसे अनेक कार्यक्रमों से करोड़ों नागरिकों के वन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। शासन की योजनाएँ पहली बार अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पारदर्शी ढंग से पहुँची हैं।

भारतीय संस्कृति और आस्था के पुनर्जागरण का यह कालखंड इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में रहेगा अंकित: भारतीय संस्कृति और आस्था के पुनर्जागरण का भी यह कालखंड इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। अयोध्या में प्रभु राम के भव्य मंदिर का निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करोड़ों भारतीयों की सदियों पुरानी आस्था की पूर्ति का क्षण था। यह केवल मंदिर निर्माण नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और आत्म गौरव का पुनर्स्थापन था। जम्मू–कश्मीर से संबंधित ऐतिहासिक निर्णयों ने राष्ट्रीय एकीकरण को नई मजबूती प्रदान की। विकास और लोकतंत्र की मुख्यधारा से जुड़ते हुए जम्मू–कश्मीर आज नए अवसरों की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री ने यह सिद्ध किया कि दृढ़ इच्छा शक्ति और स्पष्ट नीति के साथ कठिन से कठिन निर्णय भी राष्ट्रहित में लिए जा सकते हैं।

मध्यप्रदेश को प्रधानमंत्री मोदी का विशेष स्नेह और मार्गदर्शन का निरंतर लाभ प्राप्त हुआ है: मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री मोदी के विशेष स्नेह और मार्गदर्शन का लाभ निरंतर प्राप्त करता रहा है। प्रदेश में सड़क, रेल, सिंचाई, ऊर्जा, शहरी विकास और स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश एवं परियोजनाओं ने विकास को नई गति दी है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से गरीब, किसान, महिला और युवाओं के वन में बदलाव लाने वाली अनेक योजनाओं का प्रभाव प्रदेश के प्रत्येक जिले तक पहुँचा है। विंध्य क्षेत्र और विशेष रूप से मेरा गृह क्षेत्र रीवा भी इस परिवर्तनकारी यात्रा का सा बना है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पावर प्रोजेक्ट ने न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई। यह परियोजना प्रधानमंत्री के उस विजन का प्रतीक है जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ–साथ चलते हैं। आज रीवा देश के ऊर्जा मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है और विंध्य की पहचान नई संभावनाओं से जुड़ चुकी है। विंध्य क्षेत्र में सड़क संपर्क, रेल सुविधाओं, शिक्षा संस्थानों और आधारभूत संरचना के विस्तार ने विकास के नए द्वार खोले हैं। यह क्षेत्र अब पिछड़ेपन की पहचान से आगे बढ़कर प्रगति और संभावनाओं के केंद्र के रूप में उभर रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन और केंद्र सरकार का सतत सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री के रूप में मुझे यह अनुभव करने का अवसर मिला है कि प्रधानमंत्री की सोच केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ भारत के व्यापक निर्माण की है। आयुष्मान भारत जैसी ऐतिहासिक योजना ने गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। मेडिकल कॉलेजों के विस्तार, स्वास्थ्य अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं ने मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी है। प्रदेश सरकार भी प्रधानमंत्री के इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ऐतिहासिक कार्यकाल, परिवर्तनकारी नेतृत्व

सीपी राधाकृष्णन

> विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक, आयुष्मान भारत योजना के जरिए 44 करोड़ से ज्यादा नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यसेवा प्रदान की गई है। जल जीवन मिशन ने 12 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों में सुरक्षित और विश्वसनीय पेयजल पहुंचा कर अनगिनत परिवारों को गरिमा प्रदान की और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है। नि:शुल्क खाद्यान्न के 2020 से जारी प्रावधान से लगभग 80 करोड़ लोगों की खाद्य सुरक्षा की रक्षा होने के अलावा यह सुनिश्चित हुआ है कि कोई भी कमजोर नागरिक पीछे नहीं छूटने पाए। इसके अतिरिक्त, 4 करोड़ से ज्यादा परिवारों का सुरक्षित और स्थाई घर का मालिक बनने का सपना पूरा हुआ जिससे उनमें सुरक्षा, गरिमा और भविष्य के लिए उम्मीद की भावना मजबूत हुई है।

भारत ने 10 जून, 2026 को अपने लोकतांत्रिक इतिहास में एक नया अध्याय दर्ज किया। इस रोज नरेंद्र मोदीजी ने प्रधानमंत्री के रूप में निर्बाध सेवा के 4,399 दिन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। यह ऐतिहासिक उपलब्धि सिर्फ राष्ट्र निर्माण के लिए उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को ही नहीं दिखाती। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत के लोगों के अडिग विश्वास और आस्था को भी प्रतिबिंबित करती है। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्रीय विकास के लिए अथक प्रतिबद्धता तथा भारत की अवाम के कल्याण और आकांक्षाओं प्रति अटूट निष्ठा को प्रतिबिंबित करती है।

परिवर्तनकारी नेतृत्व: 4,366 दिन और आगे: नरेंद्र मोदीजी ने राष्ट्र के प्रधान सेवक के रूप में भारत में सुशासन और राष्ट्र प्रथम के सिद्धांतों पर आधारित अभूतपूर्व परिवर्तन के युग की शुरुआत की है। इतिहास अब्राहम लिंकन को मानव दासता का अभिशाप खत्म कर लाखों लोगों की गरिमा बहाल करने में उनके अडिग नेतृत्व के लिए उनका आदर करता है। इसी तरह, आने वाली पीढ़ियां 25 करोड़ से ज्यादा गरीबों को पूर्ण निर्धनता से बाहर निकालने के लिए नरेंद्र मोदीजी को याद करेंगी। उनकी दृष्टि, अथक प्रयासों और परिवर्तनकारी शासन ने अनगिनत परिवारों को अवसर, गरिमा और उम्मीद देकर सशक्त बनाया है तथा वे आर्थिक स्वतंत्रता और बेहतर भविष्य के आश्वासन को अपनाने में समर्थ बने हैं। उनका योगदान मानवता की सेवा में एक युगांतरकारी उपलब्धि के रूप में इतिहास में दर्ज रहेगा।

इतना ही नहीं, उनकी परिवर्तनकारी पहलकदमियों ने शिक्षा, आवासन, स्वच्छता, स्वास्थ्यसेवा और खाद्य निश्चितता के माध्यम से करोड़ों लोगों की गरिमा और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित किया है। विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक, आयुष्मान भारत योजना के जरिए 44 करोड़ से ज्यादा नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यसेवा प्रदान की गई है। जल जीवन मिशन ने 12 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों में सुरक्षित और विश्वसनीय पेयजल पहुंचा कर अनगिनत परिवारों को गरिमा प्रदान की और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है। नि:शुल्क खाद्यान्न के 2020 से जारी प्रावधान से लगभग 80 करोड़ लोगों की खाद्य सुरक्षा की रक्षा होने के अलावा यह सुनिश्चित हुआ है कि कोई भी कमजोर नागरिक पीछे नहीं छूटने पाए। इसके अतिरिक्त, 4 करोड़ से ज्यादा परिवारों का सुरक्षित और स्थाई घर का मालिक बनने का सपना पूरा हुआ जिससे उनमें सुरक्षा, गरिमा और भविष्य के लिए उम्मीद की भावना मजबूत हुई है। कुल मिला कर, ये पहलकदमियां एक सहृदय शासन और प्रत्येक भारतीय के कल्याण के लिए अटूट प्रतिबद्धता के स्थाई प्रतीक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जी के दृष्टिकोण ने समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाया है–चाहे वे महिलाएं हों, युवा हों, किसान हों या वंचित वर्ग के लोग। 3 करोड़ से ज़्यादा 'लखपति दीदियों' का सामने आना महिला नेतृत्व में विकास के उनके दृष्टिकोण का एक सशक्त प्रमाण है, जबकि 'नारी शक्ति' के तहत शुरू की गई पहलों ने महिलाओं को देश के निर्माण में और भी अहम भूमिका निभाने में सक्षम बनाया है। नए आईआईटी, एम्स, मेडिकल कॉलेजों और उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना से भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा तेज़ी से बढ़ा है, जिससे देश के युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा हुए हैं।

साथ ही, भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व क्रांति देखी है। वंदे भारत ट्रेनों, हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे स्टेशनों के तेज़ी से विस्तार से लेकर दूर–दराज़ के इलाकों तक कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने वाली परियोजनाओं तक, उनके नेतृत्व में एक आधुनिक, आपस में जुड़े हुए और महत्वाकांक्षी भारत की नींव रखी है। इन उपलब्धियों ने न केवल आर्थिक विकास को गति दी है, बल्कि देश भर के लाखों नागरिकों के जीवन स्तर को भी बेहतर बनाया है। भारत डिजिटल नवाचार, सेमी–कंडक्टर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, वैक्सीन बनाने और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में उभरा है, जिससे उभरती हुई नई प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में विश्व में हमारे देश की स्थिति और मजबूत हुई है।

विकास भी, विरासत भी: तमिल विरासत का सम्मान, तमिलनाडु का विकास: समकालीन नेताओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जो बात सबसे अलग और अनूठी बनाती है, वह है उनका यह दृढ़ विश्वास कि विकास और परंपरा कोई परस्पर विरोधी विचार नहीं, बल्कि एक–दूसरे के पूरक हैं। 'विकास भी, विरासत भी' की अपनी दूरदर्शी सोच के ज़रिए उन्होंने यह दिखाया है कि कोई देश अपनी सभ्यतागत विरासत से जुड़े रहते हुए भी तेज़ी से आधुनिकीकरण की राह पर आगे बढ़ सकता है।

उनके नेतृत्व में, भारत ने इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रौद्योगिकी, मैन्युफैक्चरिंग और समाज कल्याण के क्षेत्र में परिवर्तनकारी विकास किया है और इसके साथ ही अपनी प्राचीन संस्कृति, भाषाओं, आध्यात्मिक परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत के प्रति एक नए गौरव का अनुभव किया है। चाहे पवित्र स्थलों का जीर्णोद्धार हो, सांस्कृतिक प्रतीकों का पुनरुत्थान हो, शास्त्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना या अमूल्य कलाकृतियों का संरक्षण हो– उनके शासन में आधुनिक आकांक्षाओं और शाश्वत मूल्यों का दुर्लभ समन्वय देखने को मिलता है।

प्रधानमंत्री मोदी जी के नज़रिए ने राष्ट्र–निर्माण की परिभाषा को नए सिरे से गढ़ा है। उन्होंने यह साबित किया है कि असली विकास का पैमाना सिर्फ़ आर्थिक तरक्की नहीं है, बल्कि इसे इस बात से भी मापा जाता है कि एक राष्ट्र अपनी विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने, संजोने और सौंपने में कितना सक्षम है। उनकी 'विकास भी, विरासत भी' की सोच एक ऐसे आत्मविश्वास से भरे और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते भारत के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बन गई है, जो अपने गौरवशाली अतीत से मज़बूती से जुडेक रहते हुए भविष्य की ओर निडरता से कदम बढ़ा रहा है।

इस सोच का सबसे ज़्यादा फ़ायदा तमिलनाडु और दुनिया भर में फैले तमिल समुदाय को मिला है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में उनकी समृद्ध भाषाई, सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत को अभूतपूर्व पहचान, सम्मान और समर्थन मिला है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में चलाई जा रही परिवर्तनकारी पहलों से तमिलनाडु को बहुत लाभ हुआ है, जिनमें चेन्नई मेट्रो रेल का विस्तार, चेन्नई–बेंगलुरु एक्सप्रेसवे, तमिलनाडु रक्षा औद्योगिक गलियारा, बंदरगाहों और हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण, राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास और नया पाम्बन रेल पुल शामिल हैं। भारत के पहले वर्टिकल–लिफ्ट सी–ब्रिज, नए पाम्बन रेल पुल का उद्घाटन एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो रामेश्वरम के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर बनाता है और भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का प्रतीक है। आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के निरंतर और दृढ़ प्रयास के कारण, तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल फोन और आईफोन मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक प्रमुख केंद्र के तौर पर भी उभरा है।

खास बात

बाप कमाई पर, भारत की ऐश?

जिन लोगों ने अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त होने के लिए लड़ाई लड़ी थी। उसमें वह सफल हुए, स्वतंत्र होने के बाद उन्होंने 60 वर्षों में मेहनत करके जो बनाया था। अगली पीढ़ी को उसे भोगना ही था। पहली और दूसरी पीढ़ी कमाती है। तीसरी पीढ़ी उसे भोगती है। बाप कमाई पर तीसरी पीढी ऐश कर रही है। नई पीढ़ी ने इतनी तेजी के साथ ऐश किया। 50 वर्षों की कमाई 12 वर्षों में खर्च कर दी। जो पूंजी थी, उसे विदेश भेज दिया। अब संकट के समय याद आ रहा है, बाप ने यदि यह किया होता, तो आज हमारी यह स्थिति नहीं होती। देवताओं और राक्षसों के बीच में यही होता आया है। 75 वर्ष के बाद थका हुआ गरीब और बेरोजगार भारत नजर आ रहा है।

राज्यसभा के चुनाव में हेमंत सोरेन और भाजपा

झारखंड में हेमंत सोरेन क्या भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को राज्यसभा के चुनाव में हरा पाएंगे। इसको लेकर अटकलें का दौर शुरू हो गया है। 2 विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन ने भाजपा को पटकनी दी है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह का कोई जादू झारखंड में नहीं चला है। राज्यसभा के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में रिलायंस समूह के नाथवानी इंटर कर गए हैं। दो बार वह झारखंड से राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। कांग्रेस ने एक उम्मीदवार उतार दिया है। जिसके कारण राज्यसभा चुनाव में हार जीत को लेकर तरह–तरह के दावे किए जा रहे हैं। राजनीति में कोई किसी का सगा नहीं होता है। हेमंत सोरेन क्या करेंगे, इसका पता तो चुनाव परिणाम के बाद ही लगेगा। एनडीए के पास 24 विधायक हैं। इंडिया गठबंधन के पास 28 विधायक हैं। एक अरबपति प्रत्याशी है। जो करोड़ों रुपए खर्च करके दोनों ही गठबंधन में सेंध लगाने में सक्षम है। झारखंड में वही होगा जो राम भगवान चाहेंगे

बिना इलाज के 45 फ़ीसदी मरीज भगवान को प्यारे

सरकार के सांख्यिकी विभाग की एक रिपोर्ट सामने आई है। उस रिपोर्ट में बताया गया है। वर्ष 2024 में देश में जितनी मौतें हुई है। उसमें 45.5 फ़ीसदी मरीजों को चिकित्सा सुविधा नहीं मिली है। वह बीमार होने या एक्सीडेंट के बाद बिना किसी चिकित्सा सुविधा के भगवान को प्यारे हो गए हैं। एसआरएस की रिपोर्ट के अनुसार जिन व्यक्तियों को मौत के पहले चिकित्सा सहायता नहीं मिली है। उनका अलग से रिकॉर्ड रखा जाता है।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, द्वितीय ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, त्रियोदशी, शनिवार, कृतिका नक्षत्रे, शुभ योगे, वल करणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 20/34 चर्तुदर्शी व्रत, सर्वार्थ सिद्ध योग 46/41तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलप्रद होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक बड़ा ही बुद्धिमान, योग्य, बुद्धिमान पंडित, लेखक, कवि, उत्तम प्रकृति, विद्या–बुद्धि का दाता, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, नीति निपुर्ण, सामाजिक कार्यकर्ता, पार्टी संगठक, बड़ा कलाकार, उद्यमी होगा।

मेष राशि :– इष्ट मित्र सुख वर्धक होंगे, प्रयत्नशीलता तथा सफलता से लाभ होगा।

वृष राशि :– समय पर सोचे कार्य बनेंगे, कार्य तत्परता से लाभ अवश्य ही होगा।

मिथुन राशि :– मनोबल उत्साह वर्धक होगा, व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि अवश्य होगी।

कर्क राशि :– परिश्रम में सफलता सम्भव है, सोच–समझ कर कार्य करें।

सिंह राशि :– कार्य वृत्ति में सुधार, चिन्ताऐं कम हों, सफलता के साधन अवश्य बनेंगे।

कन्या राशि :– परिश्रम करने पर भी सफलता दिखायी न देवे, कार्य स्थगित रखना ठीक होगा।

तुला राशि :– कुछ लोगों से मेल–मिलाप सम्भव, कार्य क्षमता अनुकूल अवश्य होगी।

वृश्चिक राशि :– स्वास्थ नरम, चोटादि का भय होगा, मनोबल उत्साहवर्धक होगा।

धनु राशि :– कार्य कुशलता से संतोष, दैनिक कार्यवृत्ति में सुधार होगा, ध्यान रखें।

मकर राशि :– मनोबल उत्साहवर्धक हो, इष्ट मित्रों से परेशानी, धोखे से बचें।

कुंभ राशि :– कार्य–व्यावसाय गति मंद होते हुए भी साधन सम्पन्नता बनकर कार्य होगा।

मीन राशि :– विघटनकारी तत्व परेशान करें, अनायास कुछ बाधायें बन जायेंगी।

दैनिक पंचांग

13 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

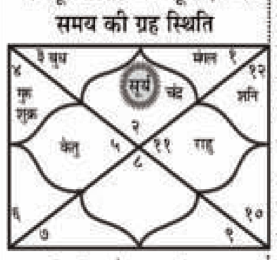

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	वृष में	मिथुन 05.27 बजे से
चंद्र	वृष में	कर्क 07.40 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह 09.57 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या 12.09 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला 14.19 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक 16.34 ब.से
शनि	मीन में	धनु 18.50 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर 20.55 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ 22.42 बजे से
राहुकाल		मीन 00.14 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		मेष 01.45 बजे से
		वृष 03.25 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 164 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 16.08 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 01.17 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सुकर्मा 17.29 बजे को समाप्त। **करण** गर 05.56 बजे, वणिज 16.08 बजे तदनन्तर विष्टि 02.16 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 12' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872739 **जूलियन दिन** 2461204.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 27 **विशेष** मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

खाने-पीने की इन चीजों का सेवन करने से बचें

कम हो जाएगा लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा

अगर आप अपने लिवर की सेहत को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अनहेल्दी खान-पान की वजह से आपका लिवर बुरी तरह से डैमेज हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लिवर खून को साफ करने का काम करता है और अगर आपका लिवर हेल्दी नहीं रहेगा तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

फ्राइड फूड्स से परहेज करने की कोशिश करें

जो लोग अक्सर फ्राइड फूड्स खाते हैं, उन्हें लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तला-भुना खाना लिवर में सूजन पैदा कर सकता है। लिवर से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए फ्राइड फूड्स से परहेज करने में ही समझदारी है।

शुगरी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए

क्या आप अक्सर शुगरी ड्रिंक्स पीते हैं? अगर हां, तो आपकी इस आदत की वजह से लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। फैटी लिवर समेत दूसरी लिवर से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए शुगरी ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल न करें।

नुकसान पहुंचा सकता है प्रोसेस्ड मीट

अगर आप भी अक्सर प्रोसेस्ड मीट का सेवन करते हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोसेस्ड मीट आपके लिवर की सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि आपको लिमिट में रहकर ही प्रोसेस्ड मीट को कंज्यूम करना चाहिए।

घातक साबित हो सकती है शराब पीने की आदत

अगर आप शराब पीते हैं, तो न केवल आपका लिवर बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। सेहत से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आपको शराब पीना छोड़ देना चाहिए।

दूध के साथ करें इन चीजों का सेवन

दूर हो जाएगी विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 की कमी आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए आपको इस जरूरी पोषक तत्व की कमी को जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए आप अपने डाइट प्लान में थोड़े बहुत बदलाव कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दूध के साथ कुछ चीजों को कंज्यूम करके आपको विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा मिल सकता है।

खा सकते हैं खजूर - विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए खजूर का सेवन किया जा सकता है। रात में सोने से पहले दो से चार खजूर को गुनगुने दूध के साथ कंज्यूम करने से जल्द ही विटामिन बी12 की कमी दूर हो सकती है। इसके अलावा इस तरह से खजूर का सेवन करके आप अपनी स्लीप क्वॉलिटी को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

दूध के साथ पनीर खाएं - पनीर में विटामिन बी12 की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। सोने से पहले गुनगुने दूध के साथ थोड़ा सा पनीर खाएं और विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा पाएं। अगर आप अंडा खा लेते हैं, तो दूध के साथ बॉइल्ड एग को भी कंज्यूम कर सकते हैं। दूध के साथ पनीर या फिर अंडे का सेवन करके आप अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

फायदेमंद साबित होगा मेथी दाना 9

अमरूद के पत्तों में छिपा है सेहत का खजाना

जानें इससे मिलते हैं कौन से फायदे और सेवन का सही तरीका

अमरूद का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अमरुद के पत्तों भी आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं। अमरुद के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से सेहत को कौन से फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें?

अमरुद के पत्तों से मिलते हैं ये फायदे:

पाचन होता है बेहतर: अमरूद के पत्ते एसिडिटी को कम करके और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देकर दस्त और सूजन जैसी पाचन समस्याओं में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है मजबूत: अमरूद के पत्तों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के उच्च स्तर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

स्किन से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर: अमरूद के पत्तों का उपयोग उनके विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुँहासे, काले धब्बे और उम्र बढ़ने के संकेतों सहित विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है।

दांतों के लिए फायदेमंद: अमरूद के पत्तों को चबाने से दांत दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की बीमारी, दांत दर्द और सांसों की बदबू को रोकने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: अमरूद के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके और संभावित रूप से रक्तचाप विनियमन का समर्थन करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं।

रक्त शर्करा नियंत्रण: अमरूद के पत्ते रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, संभावित रूप से मधुमेह वाले व्यक्तियों या जोखिम वाले लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

पीरियड्स के दर्द में फायदेमंद: अमरूद के पत्ते मासिक धर्म में ऐंठन के लिए भी लाभ प्रदान कर सकते हैं, संभावित रूप से दर्द की तीव्रता को कम करने के साथ-साथ वजन घटाने में भी सहायता कर सकते हैं।

कैसे करें अमरुद के पत्तों का इस्तेमाल?

ताजे या सूखे अमरूद के पत्तों को 5-10 मिनट तक पानी में उबालें फिर उसे छानकर पिएं। आप स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा होने दें। शैम्पू करने के बाद ठंडे पानी से बालों को धोएँ, इससे बाल मजबूत होंगे और बालों का झड़ना कम होगा। आराम और सुगंधित स्नान के लिए अपने नहाने के पानी में अमरूद के पत्ते डालें।

सुबह खाली पेट पिएं ये देसी ड्रिंक्स, वजन होगा तेजी से कम

अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो उसे कम करने के लिए अपनी डाइट में इन कुछ देसी ड्रिंक्स को शामिल करें। इन ड्रिंक्स को खाली पेट पीने से न केवल वजन कम होता है बल्कि सेहत से जुड़े अन्य कई फायदे मिलते हैं। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ अपनी सुबह की दिनचर्या में इन ड्रिंक्स को शामिल करने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है जिससे वजन कम करना आसान हो जाता है। चलिए जानते हैं किन ड्रिंक्स के सेवन से बढ़ते मोटापे पर लगाम लगाया जा सकता है।

इन देसी ड्रिंक्स से करें दिन की शुरुआत:

नींबू पानी: नींबू पानी विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। खाली पेट सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन में सुधार करने और पेट भरा होने का एहसास दिलाती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस निचोड़ें। अच्छी तरह से हिलाएँ और इसे खाली पेट पिएँ।

जीरा पानी: जीरा रसोई का एक मुख्य हिस्सा है। जीरा पानी वजन कम करने के साथ आपका पाचन भी दुरुस्त करता है। साथ ही यह जीरा पानी पाचन एंजाइमों को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से पच जाता है। जीरा पानी पेट फूलना, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। एक कप पानी में 1 चम्मच जीरा रात भर भिगोएँ। सुबह इसे उबालें, छान लें और इसे गर्म-गर्म पीएँ। नाश्ते से कम से कम 20 मिनट पहले इसे पिएँ।

आंवला का जूस: आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है और बेहतर पाचन को बढ़ाता है, वजन को कम करता है, मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है और बॉडी को डिटॉक्सफाई करता है। एक गिलास गर्म पानी में 2 बड़े चम्मच ताजा आंवला का जूस मिलाएँ। इसे खाली पेट पिएँ। इसे चाय या कॉफ़ी के साथ पीने से बचें।

दालचीनी का पानी: अगर आप वजन तेजी से कम करना चाहते हैं तो दालचीनी के पानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। दालचीनी का पानी चयापचय को तेज करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकता है, जिससे वजन प्रबंधन में सहायता मिलती है। एक कप पानी उबालें और उसमें एक चम्मच दालचीनी पाउडर या दालचीनी की एक छड़ी डालें। इसे 10 मिनट तक भीगने दें। छान लें और गरम-गरम पी लें।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए अंजीर का पानी

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अंजीर के पानी में पोटेशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन के, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और जिंक समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस ड्राई फ्रूट के पानी को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको सुबह-सुबह खाली पेट अंजीर का पानी पीना चाहिए।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंजीर का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा फाइबर रिच अंजीर का पानी पीकर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

क्या आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको अंजीर के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। अंजीर के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। अंजीर का पानी आपकी बोन हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

मिलेंगे एक से बढ़कर एक फायदे

जो लोग कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, उन्हें अंजीर का पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए भी इस ड्राई फ्रूट के पानी को कंज्यूम किया जा सकता है। सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा पाने और शरीर को फौलादी बनाने के लिए हर रोज सुबह-सुबह अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखिए।

कितनी देर में खराब हो जाती है चाय?

कई लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि सर्दियों का मौसम चल रहा है या फिर गर्मियों का, उन्हें दिन में एक से दो बार चाय तो पीनी ही होती है। कुछ लोग अपने दिन की शुरुआत चाय से करते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी थकावट को दूर करने के लिए चाय का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पीना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है?

कितनी देर में हो जाती है खराब?

दूध वाली चाय को ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। एक बार आपने चाय को पका लिया, तो आपको चाय को ठंडा होने से पहले पी लेना चाहिए। चाय को आधे घंटे से पहले ही पी लेना चाहिए। दूध वाली चाय हर्बल टी की तुलना में जल्दी खराब हो जाती है। हर्बल टी को आप कुछ घंटों तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

डाइजेस्टिव सिस्टम पर पड़ सकता है बुरा असर

अगर आपने ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पिया, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। छोटी सी लगने वाली इस गलती की वजह से एसिडिटी, कब्ज और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा चाय को ज्यादा देर तक रखने के कारण उसके अंदर मौजूद पोषक तत्व भी कम होते चले जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय हॉकी के लिए रोमांचक हैं अगले दो सप्ताह, पुरुष-महिला टीमों के होंगे कई अंतरराष्ट्रीय मुकाबले

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी प्रशंसकों के लिए आगामी दो सप्ताह बेहद रोमांचक होने वाले हैं। 14 से 28 जून तक भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें अलग-अलग महाद्वीपों में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगी, जिससे लगभग हर दिन भारतीय हॉकी देखने का मौका मिलेगा। भारतीय पुरुष टीम यूरोप में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 में हिस्सा लेगी, जबकि भारतीय महिला टीम न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप खेलेगी। यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसी वर्ष विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट होने हैं। ऐसे में इन मुकाबलों को टीम संयोजन और खिलाड़ियों की तैयारी की दृष्टि से अहम माना जा रहा है। पुरुष टीम की शुरुआत रॉटरडैम में विश्व नंबर-1 नीदरलैंड के खिलाफ होगी। इसके बाद टीम मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी से लगातार दो मुकाबले खेलेगी। बाद में लंदन में भारत-पाकिस्तान की ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी, जो इस दौरे का सबसे चर्चित हिस्सा मानी जा रही है। दूसरी ओर भारतीय महिला टीम का लक्ष्य नेशंस कप जीतकर अगले सत्र की एफआईएच प्रो लीग में वापसी करना होगा। ऑकलैंड में होने वाला यह टूर्नामेंट महिला टीम के लिए विश्व स्तरीय मंच पर अपनी दावेदारी मजबूत करने का अवसर है।

सारांश-आनंद के दम पर निमाड़ ईगल्स की रोमांचक जीत

इंदौर। रॉयल निमाड़ ईगल्स ने मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के 20वें मुकाबले में रीवा जगुआर को 3 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी निरंतरता बरकरार रखी है। डेली कॉलेज ग्राउंड पर खेले गए इस रोमांचक मैच में निमाड़ ईगल्स ने दबाव के पलों में संयम दिखाते हुए 19.3 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी निमाड़ ईगल्स ने रीवा जगुआर पर शुरुआत से ही शिकंजा कस लिया। रीवा की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर मात्र 130 रन ही बना सकी। रीवा के लिए मो. अरहम अकील और अथर्व महाजन ने 33-33 रन बनाए। कप्तान सारांश जैन ने 18 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि देवेंद्र सिंह कठैत ने 20 रन देकर 2 विकेट झटके। 131 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए निमाड़ ईगल्स की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम 11 रन पर 3 विकेट गंवाकर संकट में थी। इसके बाद आनंद बैस ने 56 गेंदों में 64 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। कप्तान सारांश जैन ने 28 रन बनाकर उनका बखूबी साथ निभाया। अंत में अभिषेक मावी के छक्के से ईगल्स ने जीत सुनिश्चित की। आनंद बैस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026

पीवी सिंधु सेमीफाइनल में तान्वी का सफर समाप्त

सिडनी ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

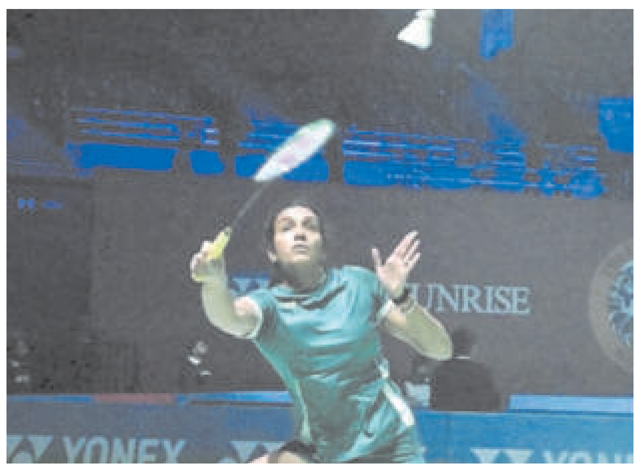

शुक्रवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में सिंधु ने चीनी ताइपे की चेन सू यू को एकतरफा अंदाज में 21-6, 21-9 से हराया। पूरे मुकाबले में सिंधु ने शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा और प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। हाल के महीनों में यह सिंधु की सबसे प्रभावशाली जीतों में से एक रही। अब सेमीफाइनल में सिंधु का मुकाबला जापान की शीर्ष वरीय खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा।

दूसरी ओर भारत की युवा खिलाड़ी तान्वी शर्मा का शानदार अभियान क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। यामागुची ने तान्वी को 21-14, 21-14 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

पूर्व विश्व चैंपियन यामागुची ने अपने अनुभव और लगातार सटीक खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले की शुरुआत से नियंत्रण बनाए रखा। तान्वी ने कई अच्छे रैलियां खेलीं, लेकिन यामागुची की मजबूत रक्षा और निरंतरता के सामने वह बढ़त नहीं बना सकीं। हालांकि हार के बावजूद तान्वी का क्वार्टरफाइनल तक पहुंचना भारतीय बैडमिंटन के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। युवा खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के दौरान कई शानदार जीत दर्ज कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। सिंधु के लिए यह इस सत्र में खेले गए आठ बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टूर्नामेंट में केवल दूसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले प्री-क्वार्टरफाइनल में उन्हें भारतीय खिलाड़ी ईशरानी बरुआ के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा था, लेकिन क्वार्टरफाइनल में उन्होंने पूरी तरह अलग अंदाज में जीत दर्ज की।

धर्मशाला में भारत और अफगानिस्तान के बीच शनिवार को एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मुकाबला

धर्मशाला। विश्व के सबसे खूबसूरत क्रिकेट स्टेडियम में से एक एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को भारत और अफ़गानिस्तान के बीच भिड़ंत होगी। दोनों टीमों के बीच तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज का पहला मैच धर्मशाला के लश ग्रीन मैदान में खेला जाएगा। वनडे में टीम इंडिया के आगे भले ही अफगानिस्तान का रिकॉर्ड कोई खास नहीं रहा है लेकिन फिर भी इस मैच के रोमांचक होने की उम्मीद की जा रही है। डे नाईट पहले वनडे इंटरनेशनल मैच को लेकर न सिर्फ क्रिकेट प्रेमियों बल्कि खिलाड़ियों में भी खासा उत्साह है। धर्मशाला में देश भर सहित अफगानिस्तान से भी प्रशंसक दुनिया के बड़े क्रिकेट खिलाड़ियों को मैदान पर खेलते देखने के लिए पंहुच रहे हैं।

फीफा विश्व कप : ह्वांग इन-बोम के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण कोरिया ने चेक गणराज्य को 2-1 से हराया

ग्वाडलाहारा ■ एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के मुकाबले में दक्षिण कोरिया ने शानदार वापसी करते हुए चेक गणराज्य को 2-1 से हराकर जीत दर्ज की। ग्वाडलाहारा स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शुक्रवार सुबह खेले गए इस मुकाबले में ह्वांग इन-बोम एक गोल करने के साथ एक गोल में सहायता देकर जीत के नायक बने।

पहले हाफ में दोनों टीमें अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकीं और दर्शकों ने निराशा भी जताई। गोलरहित पहले हाफ के बाद मुकाबले में जान दूसरे हिस्से में आई। 59वें मिनट में चेक गणराज्य ने बढ़त बनाई। कप्तान लादिस्लाव क्रेज़ी ने पेनल्टी क्षेत्र में मिले लंबे थ्रो को हेडर के जरिए गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दक्षिण कोरिया ने जल्द ही वापसी की। 67वें मिनट में ह्वांग इन-बोम ने शानदार व्यक्तिगत कौशल का प्रदर्शन करते हुए दो रक्षकों को छकाया और शानदार गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद 80वें मिनट में ह्वांग ने दाएं छोर से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर ओ ह्योन-ग्यू ने गोल कर दक्षिण कोरिया को निर्णायक बढ़त दिला दी।

स्टार फॉरवर्ड सोन ह्युंग-मिन की अगुआई में दक्षिण कोरिया ने पूरे मैच में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और चेक टीम पर लगातार दबाव बनाया। फीफा रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद कोरिया ने 38वीं रैंकिंग वाली चेक टीम की तुलना में अधिक मौके बनाए और अंततः जीत हासिल की। यह चेक गणराज्य का 2006 के बाद पहला विश्व कप मुकाबला था, लेकिन टीम वापसी नहीं कर सकी। स्टेडियम की क्षमता 45,664 होने के बावजूद आधिकारिक दर्शक संख्या 44,985 दर्ज की गई, हालांकि कई हिस्सों में सीटें खाली दिखाई दीं।

चंबल घड़ियाल्स ने भोपाल लीपर्ड्स और इंदौर पिंक पैंथर्स ने बुंदेलखंड बुल्स को हराया

इंदौर ■ एजेंसी

चंबल घड़ियाल्स ने मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के 21वें मुकाबले में भोपाल लीपर्ड्स को 5 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। डेली कॉलेज ग्राउंड पर खेले गए इस मैच में चंबल के गेंदबाजों ने भोपाल के बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भोपाल लीपर्ड्स की शुरुआत बेहद खराब रही। चंबल के तेज गेंदबाज संदीप सिंह ने घातक गेंदबाजी करते हुए 17 रन देकर 4 विकेट चटकाए। उनके सामने भोपाल के बल्लेबाज टिक नहीं सके और टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर मात्र 142 रन ही बना पाई। भोपाल के लिए तनिष्क यादव ने 38 और अंश बगाडिया ने 34 रन का योगदान दिया।

143 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चंबल की शुरुआत भी लड़खड़ा गई थी, लेकिन शुभम शर्मा ने जिम्मेदारी संभालते हुए नाबाद 52 रन बनाए। उन्हें अपूर्व द्विवेदी (26) और अंत में अमन भदौरिया (22*) का अच्छा साथ मिला। चंबल ने 19.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। संदीप सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

शुभम राठौर की आतिशी बल्लेबाजी और शिवम-वेंकटेश की घातक गेंदबाजी से इंदौर की शानदार जीत

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के 22वें मुकाबले में इंदौर पिंक पैंथर्स ने बुंदेलखंड बुल्स को 25 रनों से परास्त किया। होलकर स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंदौर के बल्लेबाजों ने रनों का पहाड़ खड़ा किया, वहीं उनके गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ से विपक्षी टीम के इरादों को ध्वस्त कर दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंदौर की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही थी। एक समय टीम दबाव में थी, लेकिन तभी प्लेयर ऑफ द मैच शुभम राठौर ने पारी की बागडोर संभाली। शुभम ने महज 19 गेंदों में नाबाद 42 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम के स्कोर को तेजी से गति प्रदान की, जिससे इंदौर 172 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा कर सका। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 2 चौके शामिल थे। कप्तान वेंकटेश अय्यर (32) और सिद्धार्थ पाटीदार (28) ने भी उपयोगी योगदान दिया। बुंदेलखंड की तरफ से कुलदीप सेन ने 3 विकेट चटकाए। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बुंदेलखंड बुल्स की टीम इंदौर के गेंदबाजों के आगे टिक नहीं सकी। इंदौर के लिए शिवम शुक्ला और कप्तान वेंकटेश अय्यर ने घातक गेंदबाजी का नमूना पेश करते हुए बुंदेलखंड के बल्लेबाजों को बांधे रखा और महत्वपूर्ण अंतराल पर विकेट झटके। पूरी टीम 20 ओवर में 147 रनों पर सिमट गई। रुद्रांश सिंह (37) और अभिषेक पाठक (29) ने जीत की कोशिश जरूर की, लेकिन इंदौर के अनुशासित आक्रमण के सामने उन्हें हार स्वीकार करनी पड़ी।

व्यापार

सराफा : सोने के भाव में लगातार दूसरे दिन बड़ी गिरावट, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में सोना आज 2,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं, चेन्नई में सोने के भाव में 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है।

भाव में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना आज 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,45,780 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,45,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

एफएसएसएआई ने केएफसी, फ्लिपकार्ट इंडिया और नेस्ले को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तीन बड़ी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने सोशल मीडिया पर सामने आई उपभोक्ताओं की शिकायतों के आधार पर नेस्ले इंडिया, फ्लिपकार्ट इंडिया और केएफसी को नोटिस जारी कर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। एफएसएसएआई की ओर से जारी नोटिस में कंपनियों से पूछा गया है कि संबंधित शिकायतों की जांच के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कौन-से सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,47,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,45,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,33,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 71.1 करोड़ डॉलर घटकर 681.61 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच आर्थिक मोंचे पर झटका लगने वाली खबर है।

लगातार तीसरे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच जून को समाप्त हफ्ते में 71.1 करोड़ डॉलर घटकर 681.61 अरब डॉलर रह गया।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि पांच जून को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 681.61 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 93.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 682.32 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई आंकड़ों के मुताबिक पांच जून को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 270.4 करोड़ डॉलर घटकर 543.44 अरब डॉलर रह गई। हालांकि, इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.97 अरब डॉलर बढ़कर 114.57 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आरबीआई ने बताया कि इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.76 अरब डॉलर हो गया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित कोष की स्थिति 4.826 अरब डॉलर रही है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 फरवरी, 2026 को समाप्त हफ्ते में 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। डॉलर के संदर्भ में विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है।

खुदरा महंगाई दर मई महीने में बढ़कर 3.93 फीसदी पर

नई दिल्ली। देश में खुदरा महंगाई की रफ्तार एक बार फिर बढ़ गई है। मई में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.93 फीसदी हो गई है। इससे पिछले महीने अप्रैल में यह 3.48 फीसदी रही थी।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि सीपीआई पर आधारित खुदरा महंगाई दर में ये वृद्धि मुख्य रूप से खाद्य कीमतों और सब्जियों, विशेषकर टमाटरों की बढ़ती कीमतों के कारण हुई है। पिछले 5 महीनों में ये पहली बार है जब खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मीडियम-टर्म टारगेट चार फीसदी के बेहद करीब पहुंच गई है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण मई में सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.93 रही। इससे पिछले महीने अप्रैल में यह 3.48 फीसदी थी। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की महंगाई मई में बढ़कर 4.78 फीसदी हो गई, जो अप्रैल में 4.20 फीसदी रही थी। खास बात यह है कि शहरों के मुकाबले ग्रामीण भारत में खाद्य महंगाई दर ज्यादा रही। मई में ग्रामीण इलाकों में खाद्य पदार्थों की महंगाई 4.85 फीसदी दर्ज किया गया, जबकि शहरी केंद्रों में यह 4.66 फीसदी रहा है।

एनएसओ के मुताबिक मई महीने जिन वस्तुओं की कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई है, उनमें कीमती धातुओं से बने आभूषण, टमाटर, अदरक, किशमिश और मुनक्का मुख्य रूप से शामिल हैं।

भारत ने 'सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक गठबंधन' के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत ने सामाजिक न्याय को लेकर वैश्विक गठबंधन (जीसीएसजे) के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी), सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिक संगठनों तथा अन्य संबंधित पक्षों के साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता फिर से दोहराई है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे ने स्विट्जरलैंड के जिनेवा में आयोजित 114वें अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने इस कार्यक्रम के दौरान जीसीएसजे की समन्वय समूह बैठक में भी भाग लिया। श्रम मंत्रालय के अनुसार बैठक के दौरान करंदलाजे ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. होंगबो, बांग्लादेश, मोल्दोवा, ब्राजील और स्विट्जरलैंड के श्रम मंत्रियों, बेल्जियम के उप-मंत्री और अन्य प्रमुख सहयोगियों से भी मुलाकात की। इसके अलावा करंदलाजे ने 11 जून को जेनेवा में 114वें अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) के दौरान आयोजित वैश्विक सामाजिक न्याय गठबंधन (जीसीएसजे) के समन्वय समूह की बैठक में भाग लिया। करंदलाजे ने एक्स पोस्ट में लिखा कि आज सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक गठबंधन का समन्वय समूह के रिसेप्शन में आईएलओ के डीजी, बांग्लादेश, मोल्दोवा, ब्राज़ील और स्विट्ज़रलैंड के श्रम मंत्रियों, बेल्जियम के उप-मंत्री और अन्य सम्मानित सहयोगियों के साथ शामिल होकर बहुत खुशी हो रही है।

किराना बाजार में तेजी, सोयाबीन में दिखाई दी मजबूती

इंदौर ■ एजेंसी

दिसावरी मजबूती से शुक्रवार को किराना बाजार में कालीमिर्च बाजार मजबूती के रहे। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन में मजबूती देखी गयी। दलहनों में चना हल्के मालों में घटाकर बोला गया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार कालीमिर्च में पूछपरख सामान्य ही है। दिसावरी बाजारों में बनी तेजी का असर भावों पर है। शक्कर में कामकाज सामान्य रहे। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन बाजार टिके रहे। दलहनों में चना हल्के मालों में घटकर 6000 रू. क्विंटल पर आ गया। भाव इस प्रकार रहे :-

किराना : शक्कर 4210-4280, खोपरा गोला 380-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारीक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-750, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (320) 950-1000, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850 रुपए।

तिलहन :- सरसो 7800-8000, रायडा 6800-7000, सोयाबीन 7100, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन :- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6100, एवरेज 6000-6050, विशाल 5900-6000, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रर्श?यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7300-7400 रुपए।

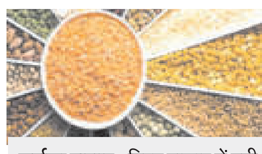

सर्राफा बाज़ार : विश्व बाजार में बनी तेजी के चलते शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे :- चॉदी (9999) 238300, चॉदी (99) 238000, टंच 237500, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 147000 रु.

संक्षिप्त समाचार

अल नीनो के मजबूत होने की संभावना, दक्षिण -पश्चिम मानसून पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में अल नीनो की स्थिति शुरू होने की पुष्टि कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार अल नीनो दक्षिण-पश्चिम मॉनसून को प्रभावित कर सकता है। मौसम विभाग ने अपने जून महीने के लिए जारी बुलेटिन में कहा कि मध्य और पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह का तापमान अल नीनो की स्थिति के लिए ज़रूरी सीमा को पार कर गया है। मौसम विभाग ने बताया कि भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में इस समय अल नीनो की स्थिति बनी हुई है और दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान इसके और अधिक मजबूत होने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमानों के अनुसार समुद्र की सतह के बढ़ते तापमान का प्रभाव अब वायुमंडल में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जिससे महासागर और वायुमंडल की संयुक्त प्रणाली अल नीनो की विशेषताओं को प्रदर्शित कर रही है।

प्रधान न्यायाधीश ने बताया मध्यस्थता से बदल रही भारतीय न्यायपालिका की दिशा

लंदन। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने लंदन में भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारतीय न्यायपालिका ने मध्यस्थता को सिर्फ वैकल्पिक तरीका नहीं, बल्कि विवादों को हल करने का एक मजबूत और प्रभावी साधन तैयार किया है। उन्होंने जोर दिया कि मध्यस्थता उनके लिए एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है और यह देश की न्याय प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। सीजेआई ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट विधिक सेवा समिति ने बड़ी संख्या में प्रशिक्षित मध्यस्थ तैयार किए हैं। उन्होंने गर्व व्यक्त कर कहा कि भारत के हर शहर और हर इलाके में लोग अब मध्यस्थता के बारे में जानते हैं, जो इसकी बढ़ती स्वीकार्यता और प्रभाव को दिखाता है। यह टिप्पणी प्रौद्योगिकी और मध्यस्थता का भविष्य विषय पर एक उच्चस्तरीय परिचर्चा के दौरान की गई, जिसमें भारत और ब्रिटेन के प्रमुख न्यायिक एवं कानूनी विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस पैनल में ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश लार्ड हैम्बलेन और अन्य प्रतिष्ठित कानूनी हस्तियां भी शामिल थीं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने भारत में मध्यस्थता के विकास को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता अधिनियम, 2023 लागू होने से पहले भी अदालतें मध्यस्थता को विवाद समाधान के एक मजबूत माध्यम के रूप में प्रोत्साहित करती रही हैं। 2004 में अपने शुरुआती दिनों को याद कर उन्होंने कहा कि निचली अदालतों, उच्च न्यायालयों और सुप्रीम कोर्ट स्तर पर मध्यस्थता केंद्र स्थापित किए गए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2023 का मध्यस्थता अधिनियम दशकों में विकसित हुई एक वैधानिक और न्यायिक व्यवस्था का परिणाम है।

चाकूबाजी के बाद आयरलैंड-ब्रिटेन में भड़की हिंसा

बेलफास्ट। आयरलैंड की राजधानी बेलफास्ट में एक आयरिश व्यक्ति का सिर काटने की कोशिश के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन बड़े पैमाने पर प्रवासी विरोधी दंगों में बदल गया है, जिसने आयरलैंड और ब्रिटेन के कई शहरों को अपनी चपेट में ले लिया है। हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटनाओं ने बेलफास्ट, लंदन और ग्लासगो जैसे प्रमुख शहरों को प्रभावित किया है। नकाबपोश भीड़ ने घरों, दुकानों, बसों और कारों को निशाना बनाया, जिससे व्यापक क्षति हुई ॉ हिंसा की शुरुआत एक भयानक चाकूबाजी की घटना से हुई, जिसमें सूडान के एक शरणार्थी हादी अलोदिद ने एक आयरिश व्यक्ति का गला काटने की कोशिश की थी। इस हमले में 40 वर्षीय आयरिश व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ था, और वारदात का वीडियो तेजी से वायरल हो गया। पुलिस के अनुसार, अलोदिद 2023 में बेलफास्ट पहुंचा था और 2028 तक ब्रिटेन में रहने की अनुमति मिली थी।

जार्डन में अमेरिकी एयरबेस पर ईरान का हमला, किंग अब्दुल्ला के पश्चिमी गठजोड़ पर सवाल

जार्डन। अमेरिका के हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने जार्डन में स्थित एक अमेरिकी एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरसीजी) ने बताया कि उसने अल-अजराक एयर बेस को 12 बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया, जिसमें बेस को भारी नुकसान और कई फाइटर जेट नष्ट होने का दावा किया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। यह हमला ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का एक और संकेत है, जिसमें जार्डन लगातार ईरान के ड्रोन और मिसाइल हमलों का शिकार बन रहा है। जार्डन का अल-अजराक खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सेना का महत्वपूर्ण रणनीतिक अड्डा है, जो राजधानी अम्मान से करीब 100 किमी पूर्व में स्थित है।

'भारत इनोवेट्स' से वैश्विक मंच पर पहुंचेगा भारतीय नवाचार, धर्मेंद्र प्रधान ने जारी किए दो रणनीतिक दस्तावेज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को 'भारत इनोवेट्स' पहल के तहत दो रणनीतिक दस्तावेज जारी किए, जिनमें देश के उभरते स्टार्टअप और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल नई शिक्षा नीति 2020 के उस लक्ष्य को आगे बढ़ाती है, जिसके तहत भारत को ज्ञान के उपभोक्ता देश से ज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के सृजनकर्ता देश में बदलना है।

इस अवसर पर भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद, उच्च शिक्षा सचिव डॉ. विनीत जोशी, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार, नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के मिशन निदेशक दीपक बागला तथा शिक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधान ने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' पीएम मोदी के नवाचार-आधारित विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से भारतीय स्टार्टअप्स को तीन ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक परिसंपत्तियों का प्रबंधन करने वाली वैश्विक निवेश कंपनियों के साथ जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में 100 से अधिक वैश्विक निवेशक और प्रमुख संस्थान भाग लेने जा रहे हैं, जिससे भारत के डीप-टेक और नवाचार क्षेत्र में बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विश्वास का पता चलता है। अब तक इस पहल के तहत लगभग दो करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेश संबंधी समझौते अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं।

केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा

नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्ष विकसित भारत की मजबूत नींव के स्वर्णिम वर्ष

शिमला ■ एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री तथा भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह अवधि केवल एक सरकार का कार्यकाल नहीं, बल्कि विकसित भारत की मजबूत आधारशिला रखने वाले परिवर्तनकारी वर्षों का प्रतीक है।

भाजपा द्वारा आयोजित '12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' अभियान के तहत शुक्रवार को शिमला में आयोजित बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति की दिशा और संस्कृति दोनों को बदला है। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार तक सीमित थी, लेकिन मोदी सरकार ने राजनीति को सेवा, सुशासन और जवाबदेही का माध्यम बनाया है।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने कई ऐतिहासिक निर्णय देखे हैं। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना, अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाना और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू करना ऐसे फैसले हैं, जिन्होंने देश की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि विकास और जनकल्याण की नीतियों के कारण भाजपा को लगातार तीसरी बार जनता का समर्थन मिला है। देश के अधिकांश नागरिक आज भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में निवास कर रहे हैं, जो सरकार की नीतियों पर जनता के विश्वास को दर्शाता है। हिमाचल प्रदेश का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रदेश को विकास की नई गति प्रदान की है। बिलासपुर में एम्स की स्थापना, चंबा, हमीरपुर और नाहन में मेडिकल कॉलेजों का निर्माण तथा राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क परियोजनाओं के विस्तार से प्रदेश की तस्वीर बदली है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हिमाचल में 14,400 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़क नेटवर्क विकसित किया गया है।

उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हिमाचल में सभी घरों तक पेयजल सुविधा पहुंचाई गई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से लगभग डेढ़ लाख परिवारों को गैस कनेक्शन मिले हैं, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना से एक लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रदेश में लगभग दो लाख शौचालयों का निर्माण किया गया है।

नड्डा ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने आधारभूत ढांचे, स्वास्थ्य, रक्षा, तकनीक और अंतरिक्ष के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। चंद्रयान-3 की सफलता, सेमीकंडक्टर निर्माण, डिजिटल इंडिया, वंदे भारत ट्रेनों और आधुनिक परिवहन नेटवर्क ने भारत को नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि आज भारत आत्मविश्वास के साथ विश्व मंच पर अपनी भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश अमृतकाल की ओर बढ़ रहा है

डबल इंजन की सरकार ने खत्म किया नक्सलवाद : गिरिराज

रायपुर। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने छत्तीसगढ़ सहित देश भर में नक्सलवाद खत्म किया। केंद्रीय मंत्री सिंह ने रायपुर पहुँचाने पर पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मैं 2 दिनों के प्रवास पर छत्तीसगढ़ आया हूं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबे समय से हैं। 12 साल में उन्होंने भारत को विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया के पटल पर ले जाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सारी रिपोर्ट को छत्तीसगढ़ वासियों के सामने पेश करना हमारा काम है। डबल इंजन की सरकार ने नक्सलवाद खत्म किया, इसलिए देश के प्रधानमंत्री का भी धन्यवाद करता हूं। कीर्ति आजाद के 'ऑपरेशन लोटस नाकाम हो रहा है', के बयान पर उन्होंने कहा कि कौन क्या कह रहा है, इससे मुझे कोई लेना-देना नहीं है। भारतीय जनता पार्टी का कोई ऑपरेशन नहीं चलता। जो जैसा करनी करता है, उसका फल वैसा ही भोगता है। जो कट मनी चला, जो लूट मनी चला उसका यह फल है। हमारा इसमें कोई लेना-देना नहीं है। उच्चतम न्यायालय के कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज करने पर उन्होंने कहा, इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है, इसलिए वह इसमें कुछ नहीं बोलना चाहेंगे।

गुजरात के सुरेंद्र नगर में केमिकल चोरी रैकेट का भंडाफोड़, चोटीला पीआई-पीएसआई समेत 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड

सुरेंद्रनगर ■ एजेंसी

गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले के चोटीला तालुका के नानी मोलडी गांव के पास चल रहे केमिकल चोरी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। गांधीनगर की स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) द्वारा की गई छापेमारी में करीब 45.98 लाख रुपये का माल जब्त किया गया है।

इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए चोटीला के पुलिस इंस्पेक्टर(पीआई) और पुलिस सब इंस्पेक्टर (पीएसआई) सहित चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। एसएमएस को नानी मोलडी गांव के निकट स्थित पवनपुत्र राजस्थानी होटल परिसर में अवैध रूप से केमिकल गतिविधियां संचालित होने की सूचना मिली थी। इसके आधार पर टीम ने छापा मारकर 8,330 किलोग्राम केमिकल समेत कुल 45.98 लाख रुपये का माल जब्त किया। मामले में चुनीलाल तुलसीराम गावेती और आशीष कुमार यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह पूरा केमिकल चोरी नेटवर्क भूपतभाई पटगीर, हितेशभाई बचुभाई सोलंकी और भागीरथ खीचड़ द्वारा संचालित किया जा रहा था। इस खुलासे के बाद जांच का दायरा और बढ़ा दिया गया।

मामले में चोटीला पुलिस स्टेशन के अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही सामने आने पर रेंज आईजी के निर्देश पर कड़ी कार्रवाई की गई। चोटीला पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर (पीआई) जयदीप सोलंकी और पुलिस सब इंस्पेक्टर (पीएसआई) जी.एन. कुलच्छर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा कॉन्स्टेबल नरेंद्रसिंह और दिलीपभाई मांजरिया को भी सस्पेंड कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। इस घटनाक्रम के बाद सुरेंद्रनगर लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) में भी व्यापक बदलाव किए गए हैं। एलसीबी के पीआई जे.जे. जाडेजा का तबादला कर उनकी जगह भावेशकुमार सिंगरेखिया को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं एलसीबी में कार्यरत पीएसआई जावेदखान पठाण को साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा हेड कॉन्स्टेबल अस्लम मलिक, प्रवीण कोला, यशपालसिंह और अजयसिंह सहित कई कर्मचारियों का भी विभिन्न पुलिस थानों में तबादला किया गया है। डीवाईएसपी पार्थ परमार ने बताया कि एसएमसी की कार्रवाई के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही सामने आने पर आवश्यक प्रशासनिक कदम उठाए गए हैं।

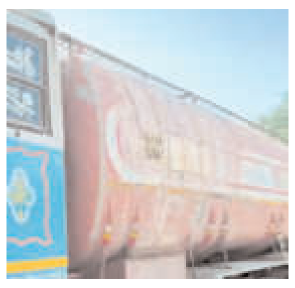

रेल संरक्षा आयुक्त ने श्यामपुर-कुरावर नवनिर्मित रेललाइन का किया निरीक्षण

जबलपुर ■ एजेंसी

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल-रामगंज मंडी नई रेलवे लाइन परियोजना के अंतर्गत श्यामपुर-कुरावर नवनिर्मित 13.70 किलोमीटर रेलखंड का कमीशनिंग मध्य वृत्त के रेल संरक्षा आयुक्त श्री गुरू प्रकाश द्वारा 12 जून 2026 को किया गया।

निरीक्षण के दौरान सीआरएस द्वारा श्यामपुर-कुरावर रेलखंड की संरक्षा, तकनीकी गुणवत्ता तथा यात्री एवं मालगाड़ी संचालन के लिए उसकी उपयुक्तता सुनिश्चित की गई। साथ ही मोटर ट्राली द्वारा संरक्षा एवं तकनीकी मानकों का गहन परीक्षण किया गया। इस दौरान ट्रैक, पुलों, समपार फाटकों, सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली सहित अन्य रेलवे अवसंरचनाओं का भी निरीक्षण किया।

श्यामपुर-कुरावर सेक्शन की कुल दूरी 13.70 किलोमीटर है। सीआरएस श्री गुरू प्रकाश ने इस नवनिर्मित रेललाइन पर ट्रायल से पूर्व श्यामपुर एवं कुरावर स्टेशन यार्ड का विधिवत परीक्षण किया। इसके बाद, सीआरएस ने श्यामपुर-कुरावर सेक्शन में अधिकतम 120 किमी/घंटा की गति से सफल स्पीड ट्रायल किया।

उल्लेखनीय है कि इस परियोजना के 276 किमी के अंतर्गत कुल 27 स्टेशन में से निशातपुरा डी केबिन से ब्यावरा तक 111 किलोमीटर का रेलखंड भोपाल के अधीन आता है, शेष रामगंजमंडी से नरसिंहपुर तक 165 किलोमीटर का खंड कोटा मंडल के अधीन आता है। जिसमें भोपाल मंडल में निशातपुरा डी केबिन से कुरावर तक सीआरएस निरीक्षण के साथ कुल 56 किलोमीटर का कार्य पूरा हो गया है शेष खंड सोनकच्छ-नरसिंहगढ़ एवं ब्यावरा-सोनकच्छ वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूरा करने का लक्ष्य है।

इस निरीक्षण के दौरान डीआरएम श्री पंकज त्यागी, बघेल, मुख्य परियोजना प्रबंधक श्री पंकज स्वाइन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री एम. एस. हाशमी, उप मुख्य अभियंता (निर्माण) श्री मो. वसीम सहित संबंधित विभाग के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस रेल परियोजना से भोपाल और कोटा मंडल के विभिन्न स्टेशनों के बीच सीधी और निर्बाध रेल कनेक्टिविटी संभव होगी।

भाजपा ने भारतीय राजनीति में भरोसे के संकट को किया दूर : राजनाथ सिंह

हैदराबाद ■ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सिकंदराबाद में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में किसी भी नेता की सबसे बड़ी पूंजी उसकी विश्वसनीयता होती है और यदि भारतीय राजनीति में भरोसे के संकट को किसी दल ने दूर किया है तो वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। हाल के चुनावों में जनता ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है जिन्होंने उसका विश्वास तोड़ा।

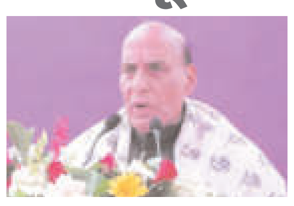

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ स्पष्ट नीति अपनाई है और यह तय किया गया है कि न तो सरकार भ्रष्टाचार करेगी और न ही किसी को करने दिया जाएगा।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि उसके शासनकाल में कई बड़े घोटाले सामने आए, जिनमें कोयला घोटाला, 2जी घोटाला और कॉमनवेल्थ घोटाला शामिल हैं, जिनसे देश को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

रक्षा मंत्री ने कहा कि देश के रक्षा क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ, रक्षा सार्वजनिक उपक्रम, निजी उद्योग, स्टार्टअप, एमएसएमई और शिक्षा जगत अब पहले से अधिक समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। यह सहयोगात्मक मॉडल भारत की नवाचार से उत्पादन और उत्पादन से संचालन क्षमता की यात्रा को तेज करेगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् सीहोर जिला सीहोर (म.प्र)
ई-निविदा सूचना
मध्य प्रदेश शासन
प्रथम आमंत्रण

एन.आई.टी./2484/हे.शा./ई-टेण्डर 2026 सीहोर, दिनांक 12.06.2026

निम्नलिखित निर्माण हेतु ठेकेदार और ख्याति फर्म्स से जो निविदा मानदंडों को पूरा करती हो ऑनलाईन बोली आमंत्रित हैं-

क्र	क्र.सं./ पैकेज	आपूर्तियां	संभावित राशि	अमानत राशि	निविदा शुल्क	समयावधि
1	2026 _UAD _515491_1	Supply and Laying Pipeline Work at Badiyakhedi Pati Ward No 01	600000/-	6000/-	2000/-	1 माह
	2026 _UAD _515506_1	SUPPLY AND INSTALLATION OF SUBMERSIBLE MOTOR PUMP AND ITEMS Ward No 27	98000/-	3000/-	1000/-	1 माह

1- इच्छुक बोलीदाता वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर NIT देख सकते है।
2- बोली दस्तावेज सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर दिनांक 11:00 (time) 13.06.2026 to 17:30 (time) 27.06.2026 तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं।
3- NIT में संशोधन, यदि कोई होता है, तो केवल वेबसाईट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नहीं।

(विकास प्रिंस राठौर)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद सीहोर

(सुधीर कुमार)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सीहोर

रविवार को होते हैं लीग मैच, हर परिवार की होती है अपनी टीम, दादा-पोते खेलते हैं साथ

ज्वालामुखी के अंदर बना दिया हरा-भरा फुटबाल मैदान, नाम दिया देवताओं का मैदान

मेक्सिको सिटी ■ एजेंसी

दुनिया भर में बड़े-बड़े फुटबाल स्टेडियमों पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, जहां पर फिफा से जुड़े मैच के अलावा क्लबों के मैच भी खेले जाते हैं, लेकिन मेक्सिको का एक साधारण सा मिट्टी का मैदान दुनिया को हैरान कर रहा है। मेक्सिको सिटी के दक्षिण में एक बुझे हुए ज्वालामुखी के खोखले हिस्से के ठीक बीचों-बीच फुटबाल मैदान है, जिसे फील्ड आफ द गाड्स यानी देवताओं का मैदान कहा जाता है। हरी-भरी झाड़ियों और पहाड़ों से घिरा यह मैदान हर रविवार को गुलजार होता है, जब यहां सांता सेसिलिया टेपेटलापा कस्बे की एक लोकल लीग के मैच खेला जाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मैदान पर टेओका एमेच्योर लीग का आयोजन होता है, जिसमें कुल 10 टीमें खेलती हैं। इस लीग की सबसे खास बात यह है कि यहां खेलने वाली हर एक टीम इस कस्बे के एक ही परिवार के लोगों की होती है। मैच खेलने के लिए उम्र का कोई बंधन नहीं है, यही वजह है कि यहां 15 साल के लड़कों को अपने ही परिवार के 65 साल के बुजुर्गों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर गेंद के पीछे भागते हैं यानी दादा-पोते सब एक साथ खेलते हैं। इस खेल में महिलाएं खुद मैदान पर नहीं उतरतीं, लेकिन हर रविवार को भारी संख्या में बाउंड्री के बाहर खड़े होकर अपनी पारिवारिक टीमों के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाती हैं।इस अनोखे मैदान को बनाने की कहानी दिलचस्प है। दरअसल, यह पूरा कस्बा बेहद संकरी और ढलान वाली खड़ी पहाड़ियों के बीच बसा है, जहां खेल का मैदान बनाने के लिए कोई समतल जमीन ही नहीं थी। गांव वालों ने इस बुझे हुए ज्वालामुखी के गड्ढे का रुख किया, क्योंकि इसके अंदर की सतह सबसे सीधी और प्लेन थी। भले ही यह धूल और मिट्टी से भरा मैदान है, लेकिन इसका रखरखाव पूरे गांव के लिए इज्जत का सवाल है।

गांव के लोग बारी-बारी से इस मैदान की सफाई और मरम्मत करते हैं। वे हर काम अपनी जेब से चंदा इकट्ठा करके करते हैं और सरकारी मदद नहीं लेते हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्टूडेंट्स बोले- नाम से ज्यादा काम पर ध्यान दें

भोपाल। बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी का नाम बदलकर वाग्देवी भोजपाल यूनिवर्सिटी करने के प्रस्ताव पर छात्रों की मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई है। अधिकांश छात्रों का कहना है कि नाम बदलने से ज्यादा जरूरी यूनिवर्सिटी की व्यवस्थाओं में सुधार करना है। बता दें कि बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी का नाम दूसरी बार बदला जा रहा है। पहले इसका नाम भोपाल यूनिवर्सिटी था, जिसे बाद में स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी बरकतुल्लाह के नाम पर बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी रखा गया था।

ईडी ऑफिस में घुसकर पिता-पुत्र ने जमकर मचाया उत्पात

भोपाल। शहर की एमपी नगर थाना इलाके में स्थित ईडी ऑफिस में घुसकर पिता-पुत्र और उनके साथ आए लोगों ने जमकर उत्पात मचाया। घटना करीब आठ दिन पहले की है। जिसकी शिकायत मिलने पर पुलिस ने जॉच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी है। बताया गया है की मुख्य आरोपी सफाई कर्मचारी है, जिसे परिसर की सफाई ठीक तरीके से नहीं होने को लेकर अधिकारियों ने नाराजगी जताते हुए उसे फटकार लगा दी थी। इसी से गुस्सा होकर उसने वारदात को अंजाम दिया। थाना पुलिस के अनुसार नीतेश धौलपुरे भारत संचार निगम लिमिटेड कार्यालय के भीतर स्थित ईडी ऑफिस में सफाई कर्मचारी के रूप में काम करता है। वह कुछ दिनों की छुट्टी के बाद काम पर लौटा तो अधिकारियों ने उसे परिसर की सफाई व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताते हुए फटकार लगा दी। इसे लेकर नीतेश की अधिकारियों से कहासुनी हो गई। बहसबाजी के बाद बाद अगले दिन 2 जून को नीतेश अपने पिता मुकेश धौलपुरे और कुछ अन्य लोगों को लेकर ऑफिस पहुंच गया। वहां उसने कर्मचारियों और अधिकारियों से दुर्व्यवहार करते हुए सामान को उठाकर तोड़ना शुरु कर दिया।

मप्र में तीसरी संतान वाला अफसर नौकरी से बर्खास्त

भोपाल। मध्यप्रदेश में तीसरी संतान के आधार पर एक अफसर की नौकरी चली गई। आईजी पंजीयन अमित तोमर ने गुरुवार को सिंगरौली के सब रजिस्ट्रार अशोक सिंह परिहार को बर्खास्त करने का आदेश जारी किया। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उस घोषणा के 48 घंटे बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि दो से अधिक संतान होने के आधार पर किसी कर्मचारी की नौकरी नहीं जाएगी। अफसर को बर्खास्त करने का आदेश गुरुवार को जारी किया गया। यह शुक्रवार को सामने आया। अधिकारियों ने बताया कि यह किसी अफसर के खिलाफ की गई पहली कार्रवाई है। दरअसल, अशोक सिंह परिहार के खिलाफ शिकायत की गई थी कि शासकीय सेवा के दौरान उनकी तीसरी संतान का जन्म हुआ है। मामले की जांच के लिए पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और बाद में विभागीय जांच बैठाई गई। जांच अधिकारी के रूप में वरिष्ठ जिला पंजीयक जबलपुर पवन अहिरवार को नियुक्त किया गया था।

सभी स्टेशन तैयार, दोबारा सीएमआरएस निरीक्षण की तैयारी

भोपाल। भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर में बने सुभाष नगर स्टेशन को रेलवे ट्रैक के ऊपर बनने वाले फुटओवर ब्रिज (एफओबी) से सीधे रहवासी इलाके से जोड़ा जाएगा। इसके बनने के बाद सुभाष नगर और आसपास के करीब एक लाख लोगों को मेट्रो स्टेशन पहुंचने के लिए लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। मेट्रो प्रबंधन कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) को दोबारा निरीक्षण के लिए बुलाने की तैयारी कर रहा है। प्रायोरिटी कॉरिडोर में सिग्नलिंग, ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन और प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर का काम हो चुका है। सुभाष नगर से एम्स के बीच 6.22 किमी लंबे प्रायोरिटी कॉरिडोर में आठ स्टेशन बनाए गए हैं। इनमें छह स्टेशनों पर दो-दो एंट्री-एग्जिट तैयार हैं, जबकि सुभाष नगर और रानी कमलापति स्टेशन पर तीन-तीन एंट्री-एग्जिट का काम अंतिम चरण में है।

अमृत दर्शन की खबर के बाद पत्रकार संगठन की बड़ी पहल

रेल समाज कल्याण केंद्र के सचिव के खिलाफ पुलिस में हुई शिकायत

भोपाल ■ क्राईम रिपोर्टर

रेलवे स्कूल में लाखों रुपये का घपला करने के मामले में अमृत दर्शन द्वारा खबर प्रकाशित करने के बाद पुलिस के पास लिखित शिकायत पहुंची है। एक पत्रकार संगठन ने बड़ी पहल करते हुए रेल समाज कल्याण केंद्र के सचिव नितिन परमार के खिलाफ अपराधिक मामला दर्ज करने के लिये जीआरपी में लिखित शिकायत की है रेलवे स्कूल में सचिव द्वारा लाखों रुपये का घपला किये जाने को लेकर रेल कर्मियों में हड़कंप मचा हुआ है पर आगे बढ़कर रेलवे की मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी जो कभी दबंगई का दंभ भरते थे आज कुछ भी कहने को तैयार नहीं कर्मचारी संगठन के नेताओं की दबंगता सिर्फ कमरों तक सिमटी नजर आ रही है। पुलिस में शिकायत करने वाले स्वतंत्र पत्रकार परिषद के अध्यक्ष गंगाधर मालजपुरे ने कहा है कि मामला अत्यंत गंभीर है क्योंकि विद्यार्थियों की फीस का गोलमाल किया गया है और यह लाखों की राशि का विषय है जो सीधे तौर पर आर्थिक अपराध की श्रेणी में आता है इसलिये रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों को भी चाहिए कि ऐसे संवेदनशील मामले में निष्पक्ष ढंग से कार्यवाही करने के लिये आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले से स्वतंत्र पत्रकार परिषद प्रधानमंत्री एवं रेल मंत्री को भी अवगत करायेगा।

ठोस कार्यवाही की जायेगी-टीआई

रेलवे स्कूल में विद्यार्थियों की फीस हड़पने के मामले में पत्रकार संगठन की शिकायत मिलने के बाद जीआरपी थाना प्रभारी जहीर खान ने कहा कि मामला गंभीर है इस पर अवश्य एक्शन लिया जायेगा उन्होंने कहा कि स्कूल जैसे स्थान पर इस तरह घटना होना अपने आप में आश्चर्यजनक है किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं चाहिए। थाना प्रभारी जहीर खान ने कहा कि मामला चूंकि रेल कर्मचारी से जुड़ा हुआ है इसलिये रेलवे ने अभी तक क्या कार्यवाही की है या कार्यवाही चल रही है उनसे भी जानकारी ली जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रकरण में पहले जांच पड़ताल की जायेगी जो भी निष्कर्ष निकलेगा उसके बाद एक्शन लिया जायेगा।

भोपाल एम्स में नर्सिंग स्टाफ की लापरवाही

कैंसर पीड़ित बच्चे को लगा दिया फॉर्मेलिन इंजेक्शन, मौत, 2 नर्सों पर एफआईआर दर्ज

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल एम्स में इलाज करा रहे तीन वर्षीय कैंसर पीड़ित बच्चे की नर्सिंग स्टाफ की बड़ी लापरवाही के कारण मौत हो गई। पिता के मना करने के वाबजूद नर्स ने शव को सुरक्षित रखने वाला फॉर्मेलिन इंजेक्शन बच्चे को लगा दिया।

राजधानी भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में इलाज करा रहे तीन वर्षीय कैंसर पीड़ित बच्चे की नर्सिंग स्टाफ की बड़ी लापरवाही के कारण मौत हो गई। पिता और परिजन के मना करने के वाबजूद नर्स ने शव को सुरक्षित रखने वाला फॉर्मेलिन इंजेक्शन बच्चे को लगा दिया। परिजन की शिकायत के बाद दो नर्सिंग ऑफिसर्स के खिलाफ ख्रड्ढक्रदर्ज दर्ज कीगई।

आरोप- नर्स ने जबरन लगा दिया फॉर्मेलिन इंजेक्शन: जानकारी के अनुसार, सागर जिले की बीना तहसील के ग्राम कौरजा निवासी सार्थक यादव (3 वर्ष) ब्लड कैंसर से पीड़ित था। गंभीर हालत में उसे 15 दिसंबर 2025 को एम्स भोपाल के पीडियाट्रिक वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां उसका उपचार चल रहा था।

परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान अस्पताल स्टाफ ने बच्चे को निर्धारित दवा की बजाय फॉर्मेलिन इंजेक्ट कर दिया। फॉर्मेलिन एक खतरनाक रसायन है, जिसका उपयोग मेडिकल संस्थानों में बायोप्सी सैंपल और शवों के संरक्षण के लिए किया जाता है।

पिता ने कहा था- सिरिंज में सही दवा नहीं

बच्चे के पिता ने दावा किया कि इंजेक्शन लगाए जाने के दौरान उन्होंने तीन बार नर्सिंग स्टाफ को चेतावनी दी थी कि सिरिंज में सही दवा नहीं है, लेकिन उनकी बात को अनसुना कर दिया गया। इसके बाद बच्चे की हालत बिगड़ती चली गई और उसकी मौत हो गई। मामले की जांच में प्रथम दृष्टया लापरवाही सामने आने के बाद दो नर्सिंग ऑफिसर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही हैं। वहीं, इस घटना के बाद अस्पताल की कार्यप्रणाली और मरीजों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

दो निर्सिंग ऑफिसर्स पर केस: मामले की जांच में प्रथम दृष्टया लापरवाही सामने आने के बाद बागसिवनिया पुलिस ने दो नर्सिंग ऑफिसर्स के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस और एम्स प्रबंधन पूरे घटनाक्रम की जांच कर रहा है। वहीं, इस घटना के बाद एम्स की कार्यप्रणाली और मरीजों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

नर्स ने बिना जांच किए लगा दिया इंजेक्शन: जानकारी के अनुसार, 17 दिसंबर की सुबह बच्चे की आईवी लाइन चोक हो गई थी। इसी दौरान ड्यूटी पर मौजूद नर्स मधुबाला शर्मा ने बिना लेबल और दवा की पहचान जांचे वहीं रखी सिरिंज उठाकर बच्चे की नस में इंजेक्ट कर दी। परिजनों ने बताया कि बच्चे के पिता ने तीन बार कहा कि सिस्टर सिरिंज में दवा नहीं है, लेकिन नर्स ने उनकी बात नहीं सुनी।

इंजेक्शन लगते ही बिगड़ी हालत: फॉर्मेलिन शरीर में पहुंचते ही बच्चे की हालत अचानक बिगड़ गई और वह बेहाश हो गया। उसे तत्काल PIC में शिफ्ट किया गया। डॉक्टरों ने CPR समेत तमाम प्रयास किए, लेकिन सुबह 8:45 बजे उसकी मौत हो गई।

जांच रिपोर्ट में नर्स की लापरवाही साबित: एम्स की आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि बच्चे की मौत का सीधा कारण फॉर्मेलिन का नस के जरिए शरीर में पहुंचना था। एम्स प्रबंधन ने भी रिपोर्ट में नर्सिंग स्टाफ की गंभीर लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है।

इन नर्सों को क्या मिलेगी सजा ?

बागसेवनिया थाना पुलिस ने 11 जून को जांच रिपोर्ट के आधार पर दोनों नर्सिंग ऑफिसर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया। नर्स मधुबाला शर्मा पर घोर लापरवाही से मौत कारित करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता (ब्क्ष्हस्) की धारा 106(1) के तहत केस दर्ज किया गया है। इसमें नर्स को अधिकतम 5 साल की सजा और जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। वहीं नर्स अनुका गुजराती पर खतरनाक रसायन को असुरक्षित तरीके से रखने के आरोप में धारा 286 के तहत कार्रवाई की गई है। मामले की जांच जारी है। इस केस में अनुका को एक साल की सजा हो सकती है।

लेडी अफसर को थाने के सामने धमकी- तुम्हें देख लेंगे

खनन माफिया ने भोपाल में रास्ता रोका; बोले- नौकरी खा जाएंगे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में थाने के ठीक सामने खनन माफिया के गुर्गों ने महिला खनिज अधिकारी को धमकी दे डाली। कहा- तुम्हारी नौकरी खा जाएंगे। तुम्हें देख लेंगे। मौके पर पुलिस के साथ खनिज विभाग का अमला भी मौजूद था लेकिन बदमाश हंगामा करते रहे। मामला कजलीखेड़ा के सामने गुरुवार देर रात का है, जो अब सामने आया है।

खनिज इंस्पेक्टर सुची माथुर की शिकायत पर पुलिस ने राहुल यादव, ज्ञान सिंह यादव और साथियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने, अवैध उत्खनन-परिवहन और डराने-धमकाने की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

डंपर को छुड़ाने माइनिंग टीम का रास्ता रोका: दरअसल, इंस्पेक्टर माथुर गुरुवार रात करीब साढ़े 11 बजे अपनी टीम के साथ नीलबड़ चेकपोस्ट की ओर से आ रहे डंपरों की जांच कर रही थीं। बैरागढ़ चीचली के पास टीम ने जैसे ही डंपरों को रोका, ड्राइवर गाड़ी खाली कर भागने की कोशिश करने लगे। माइनिंग अमले ने उन्हें पकड़ लिया। डंपर कस्टडी में लेकर थाने ले आए।

इसी दौरान डंपर मालिक राहुल यादव और ज्ञान सिंह यादव अपने साथियों के साथ वहां पहुंच गए। आरोप है कि उन्होंने थाने के गेट के सामने अपनी गाड़ियां खड़ी कर माइनिंग टीम का रास्ता रोक दिया और जब्त डंपरों को छुड़ाने का दबाव बनाने लगे।

एएसआई महेश मांझी ने बताया कि राहुल और ज्ञान पुलिस के सामने ही खनिज इंस्पेक्टर से बदसलूकी करने लगे। उन्होंने महिला अधिकारी पर दबाव बनाया। फिर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देते हुए भाग निकले।

डीसीपी जोन-4 आदर्शकांत शुक्ला ने कहा- आरोपियों को नोटिस जारी कर थाने तलब किया जा रहा है। डंपर और दूसरी गाड़ियों को जब्त कर लिया गया है। रजिस्ट्रेशन और परमिट संबंधी दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

दिगम्बर जैन मुनि सुधासागर जी महाराज को चातुर्मास हेतु आमंत्रित करने भोपाल से 2000 लोग गुना जाएंगे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

परम पूज्य आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य मुनिश्री सुधासागर जी महाराज को चातुर्मास के लिए भोपाल आमंत्रित करने भोपाल के सभी मंदिरों के पदाधिकारियों के साथ 2000 से अधिक लोग 14 जून, रविवार को गुना रवाना होंगे।

आयोजन के सूत्रधार रवीन्द्र जैन पत्रकार ने बताया कि मुनिश्री सुधासागर जी महाराज ससंघ गुना में विराजमान हैं। भोपाल में उनके अगले चातुर्मास की तैयारियां शुरु कर दी गई हैं। संभवतः उनका चातुर्मास भोपाल के जैन नगर में हो सकता है। 9 जून को भोपाल के सभी दिगम्बर जैन मंदिरों के अध्यक्षों की बैठक प्रोफेसर कॉलोनी जैन मंदिर में हुई, जिसमें मुनिश्री के चातुर्मास की तैयारियों की समीक्षा की गई।

इसी बैठक में तय किया गया कि भोपाल से 251 इनोवा कारों और 15 बसों के जरिए 2000 लोग सुबह गुना रवाना होंगे। इनमें सभी महिला मंडल, युवा मंडल, मंदिरों के पदाधिकारी शामिल होंगे। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया इस यात्रा का संयोजक नरेन्द्र जैन टोंग्या को बनाया गया है। जस्टिस अभय गोहिल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विजय चौधरी के नेतृत्व में मुनिश्री को श्रीफल भेंट किया जाएगा।

SHREE MULTISPECIALITY HOSPITAL

आपकी सांसे, हमारी जिम्मेदारी
बेहतर इलाज, बेहतर जीवन

OUR SERVICES
- Internationally Trained & Experienced Pulmonologist & Intensivist
- Expert in Advanced Critical Care, Respiratory & Lung Health
- Specialist in Allergy, Asthma, COPD, TB Care & Infectious Lung Diseases
- Dedicated to Helping You Breathe Better & Live Better

WE CARE FOR
- Asthma & Allergy
- COPD
- Tuberculosis (TB)
- Pneumonia
- Sleep Apnea
- Respiratory Infections
- Critical & Intensive Care

DR. AMIT SINGH
MD Pulmonary Medicine & Critical Care

EXPERTISE YOU CAN TRUST
- LUNG & RESPIRATORY DISEASES
- CRITICAL CARE & ICU MANAGEMENT
- ALLERGY, ASTHMA & COPD CARE
- INFECTIOUS LUNG DISEASES & TB CARE
- ADVANCED PULMONARY CARE

INTERNATIONAL EXPOSURE | 1000+ HAPPY PATIENTS | EXPERT CARE YOU DESERVE

ADVANCED TECHNOLOGY. EXPERT HANDS. BETTER OUTCOMES.

8818815656 (Mobile)
BOOK YOUR APPOINTMENT TODAY
CONSULT US
+91 8516911911 (Mobile)
0755-3100110 (Land line)

Shree Multispeciality Hospital
271/2A, Opposite AIIMS Road, Saket Nagar, Bhopal, Madhya Pradesh 462024

मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग में तबादला प्रक्रिया को लेकर चर्चा

स्कूल शिक्षा विभाग में स्वैच्छिक तबादले से शून्य होगी सीनियरिटी, ऑनलाइन चॉइस फिलिंग 23 जून तक

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग में तबादला प्रक्रिया को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा है। इसमें भी स्वैच्छिक तबादला लेने वाले जिला कैडर के सहायक शिक्षकों की सीनियरिटी नई जगह ट्रांसफर होने पर शून्य मानी जाएगी। नियमों में अनुसार, उनका नाम नई सीनियरिटी लिस्ट में सबसे नीचे पहुंच जाएगा, जिससे आगे होने वाले प्रमोशन प्रभावित हो सकते हैं। शिक्षकों के ट्रांसफर के लिए 19 जून से 23 जून तक ऑनलाइन चॉइस फिलिंग की जाएगी।

स्वैच्छिक तबादला लेने से सीनियरिटी होगी खत्मः इस व्यवस्था के तहत स्वैच्छिक तबादला लेने वाले शिक्षकों का नाम नई सीनियरिटी लिस्ट में सबसे नीचे पहुंच जाएगा। इसका सीधा असर उनके भविष्य के प्रमोशन और सेवा संबंधी लाभों पर पड़ेगा। ऐसे में शिक्षकों को तबादले के लिए आवेदन करने से पहले सभी पहलुओं पर सोचना होगा।

ऑनलाइन चॉइस फिलिंग 23 जून तकः स्कूल शिक्षा विभाग में प्रशासनिक तबादलों की प्रक्रिया जारी है। विभागीय तबादला कार्यक्रम के मुताबिक, 19 जून से 23 जून तक स्वैच्छिक तबादलों के लिए ऑनलाइन चॉइस फिलिंग की जाएगी। शिक्षक निर्धारित अवधि के भीतर अपनी पसंद के स्थानों पर ट्रांसफर के लिए आवेदन कर सकेंगे।

तीन कैडर में बंटे हैं शिक्षकः जानकारी के अनुसार, प्रदेश में शिक्षकों के तीन कैडर हैं। जिसमें प्राथमिक स्कूल के शिक्षक का कैडर जिला स्तर, माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों का संभाग स्तर और उच्च माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों यानी व्याख्याताओं का कैडर राज्य स्तर का होता है। इसके अनुसार यदि प्राथमिक स्कूल के शिक्षक जिले के बाहर स्वैच्छिक ट्रांसफर चाहते हैं तो उसकी सीनियरिटी शून्य हो जाएगी। इसी तरह यदि माध्यमिक स्कूल का शिक्षक संभाग के बाहर स्वैच्छिक ट्रांसफर के लिए आवेदन करता है तो उसकी सीनियरिटी खत्म हो जाएगी। हालांकि, व्याख्याताओं पर यह नियम लागू नहीं होगा,क्योंकि उनका कैडर राज्य स्तर काहै।

नये तबादला नियमों में दो बड़ी विसंगतियांः शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि शिक्षकों के संशोधित तबादला नियम में दो बड़ी विसंगतियां सामने आई हैं। एक ई-अटेंडेंस और दूसरा- जनगणना ड्यूटी। स्वैच्छिक ट्रांसफर्स में शिक्षकों की 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस अनिवार्य कर दी गई है। जिससे करीब 90 प्रतिशत शिक्षक पात्रता ही पूरी नहीं कर पाएंगे। जानकारों का कहना है कि ई-अटेंडेंस के लिए शुरू में कई तकनीकी दिक्कतें सामने आईं। जैस- नेटवर्क प्रोब्लम या इंटरनेट कनेक्टिविटी।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।